mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-115 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
27 अप्रैल 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

दिल्ली-टेकऑफ के दौरान स्विस फ्लाइट का इंजन फेल, आग लगी,6 घायल

4 नवजात समेत 232 लोग सवार थे; फ्लाइट ज्यूरिख जा रही थी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस विमान का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की LX147 फ्लाइट शनिवार रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्रियों को रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सुरक्षित बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी।

एयरलाइन बोली- टेकऑफ के वक्त लैंडिंग गियर में धुआं दिखा : SWISS एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट LX147 से जुड़ी एक घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस-330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाई ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरलाइन ने कहा, हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं। इस घटना के पीछे के कारणों को पूरी तरह से समझने के लिए हमारी टीम जल्द ही दिल्ली जाएगी।

शिवाजी महाराज पर बागेश्वर बाबा की टिप्पणी से मचा बवाल

विपक्ष ने महाराष्ट्र में धीरेंद्र शास्त्री पर प्रतिबंध की मांग की

मुंबई, एजेंसी। बाबा बागेश्वर के नाम से प्रसिद्ध धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा छत्रपति शिवाजी को लेकर दिए गए बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने दावा किया है कि छत्रपति शिवाजी महाराज लगातार युद्धों से थककर समर्थ रामदास स्वामी के पास गए थे। उन्होंने अपना मुकुट उतारकर उनके चरणों में रख दिया था और उनसे राज्य का प्रशासन संभालने का अनुरोध किया था। उन्होंने हिंदुओं को चार संतानें पैदा करने की भी सलाह देकर विवाद को और बढ़ा दिया, जिसमें उन्होंने सुझाव दिया कि एक संतान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को समर्पित होनी चाहिए।

4 दिन में 1.24 लाख लोग पहुंचे केदारनाथ

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारू बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं।

धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर यात्रा करें।

भारत में विकसित हुए उन्नत बख्तरबंद प्लेटफॉर्म; युद्धपोत परियोजना से जुड़ा हाइड्रोडायनामिक परीक्षण पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। शनिवार को डीआरडीओ ने न केवल भारतीय सेना के लिए दो उन्नत बख्तरबंद प्लेटफॉर्म लॉन्च किए, बल्कि भारतीय नौसेना के एक आगामी युद्धपोत के लिए महत्वपूर्ण हाइड्रोडायनामिक परीक्षणों को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

अत्याधुनिक बख्तरबंद प्लेटफॉर्म का अनावरण : डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर स्थित वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई) में दो नए बख्तरबंद प्लेटफॉर्म (ट्रैक्ड और व्हील्ड) का अनावरण किया। इन वाहनों को भारतीय सशस्त्र बलों की बदलती परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

इन प्लेटफॉर्म्स की सबसे बड़ी विशेषता इनमें लगा स्वदेशी 30 मिमी 'क्रूलेस टर्रेट' है। यह टर्रेट न केवल मारक क्षमता बढ़ाता है, बल्कि सैनिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, इन वाहनों में 7.62 मिमी पीके गन और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल दागने की क्षमता भी मौजूद है। बेहतर गतिशीलता के लिए इनमें हाई-पावर इंजन और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया गया है, जिससे ये वाहन कठिन बाधाओं को आसानी से पार कर सकते हैं।

सुरक्षा के लिहाज से इन्हें अंतरराष्ट्रीय 'स्टेनैग लेवल 4 और 5' मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जो इन्हें ब्लास्ट और बैलिस्टिक हमलों से बचाते हैं। साथ ही, हाइड्रो-जेट तकनीक के कारण ये वाहन पानी में भी चलने में सक्षम (उभयचर) हैं। इस परियोजना में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, भारत फोर्ज लिमिटेड और कई एमएसएमई इकाइयों ने सहयोग किया है।

नौसेना के युद्धपोत परियोजना में बड़ी कामयाबी

दूसरी ओर, डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने एक अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत के लिए उन्नत हाइड्रोडायनामिक प्रदर्शन आकलन और मॉडल परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण कार्य का नेतृत्व विशाखापत्तनम स्थित नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लेबोरेटरी (एनएसटीएल) ने किया, जिसमें नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो का पूरा सहयोग रहा। इस परीक्षण के दौरान युद्धपोत के डिजाइन की सटीकता और विश्वसनीयता को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर परखा गया। इसमें 'कंप्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स' (सीएफडी) सिमुलेशन और प्रायोगिक मॉडल परीक्षण जैसे उच्च स्तरीय मानकों का उपयोग किया गया। डीआरडीओ के अनुसार, इस दौरान जहाज के प्रतिरोध, प्रणोदन (propulsion), समुद्री स्थिरता और संचालन क्षमता जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों का व्यापक विश्लेषण किया गया। परीक्षण के परिणामों को वैश्विक मानकों के बराबर पाया गया है। डॉ. समीर वी. कामत ने इस परियोजना से संबंधित महत्वपूर्ण निष्कर्षों और दस्तावेजों को भारतीय नौसेना के वॉरशिप प्रोडक्शन और एक्विजिशन नियंत्रक संजय साधु को सौंप दिया है। इन दोनों ही सफलताओं को भारत के रक्षा उत्पादन तंत्र को मजबूत करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

अमेरिकी अधिकारियों का पाकिस्तान दौरा रद्द, ईरान से दूसरी बार मीटिंग टली

ट्रम्प बोले- प्लेन में 18 घंटे बैठकर बेकार की बातें करने नहीं जाना

तेल अवीव/ तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित सीजफायर वार्ता ठप पड़ गई है क्योंकि ईरान से बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाले अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जारेड कुशनर का दौरा रद्द हो गया है। यह दूसरी बार है जब दोनों देशों की मीटिंग टली। इससे पहले ईरान ने शांति वार्ता न करने का ऐलान किया था। उनका कहना था कि पहले अमेरिका अपनी होर्मुज स्ट्रेट से नाकेबंदी हटाए तब ही हम बातचीत के लिए इस्लामाबाद आएंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अपने दूतों को पाकिस्तान न जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा, यात्रा में बहुत समय लगता है। 18 घंटे समय बर्बाद कर बेकार की बातें करने नहीं जाना। अगर ईरान बात करना चाहता है तो उन्हें बस एक फोन करना है। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ईरान के साथ फिर से जंग शुरू करेगा। इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शनिवार को अमेरिकी अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही पाकिस्तान से रवाना हो गए।

ममता सरकार पर भड़के राहुल गांधी

बोले: 'बंगाल में टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है', हम झुकेंगे नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी के सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं, बल्कि टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी

से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद निंदनीय है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं।

कांग्रेस नेता का टीएमसी पर आरोप

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बंगाल में वोट के बाद विरोधी आवाजों को डराना, मारना और मिटाना टीएमसी का चरित्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में राजनीतिक हिंसा लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर नहीं टिकी है और न ही कभी टिकेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने भी अपने कई कार्यकर्ता खोए हैं, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है।

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग, ट्रम्प को सुरक्षित निकाला

चश्मदीद बोले- 7 राउंड फायरिंग हुई, गेस्ट टेबल के नीचे छिपे; हमलावर पकड़ाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अफसर मौजूद थे।

न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी।

डिनर के दौरान फायरिंग करने वाला शख्स कौन

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी।

पीएम मोदी बोले- लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राहत जताई कि राष्ट्रपति ट्रम्प, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत सब सुरक्षित है। उन्होंने आगे लिखा, 'लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।

जहां कार्यक्रम, उसी होटल में ठहरा था हमलावर

पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा।'

मन की बात का 133वां एपिसोड

पीएम मोदी बोले: 'कलपक्कम रिएक्टर, भारत के परमाणु ऊर्जा सफर में मील का पत्थर'

जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा अभियान, अब तक 1 करोड़ 20 लाख घरों की लिस्टिंग हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में जनगणना का जिक्र किया। पीएम ने कहा- हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है।

ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है।

पीएम ने कहा- जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां घरों की लिस्टिंग का काम जारी है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है। 29 अप्रैल को 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में पीएम ने ईरान-अमेरिका जंग पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है।

बुद्ध का संदेश आज भी अहम

आज भी मई महीने की शुरुआत एक पावन अवसर के साथ होने जा रही है। कुछ ही दिनों में हम बुद्ध पूर्णिमा मनाएंगे। मैं आप सभी देशवासियों को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। भगवान गौतम बुद्ध का जीवन संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने हमें सिखाया है कि शांति हमारे भीतर से शुरु होती है, उन्होंने बताया है कि स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है।

जनगणना में आपकी भागीदारी आसान बनाई गई है

आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं। जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो आपको एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। बाद में जब कर्मचारी आपके घर आता है, तो आप यही आईडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती।

पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक

कच्छ के रण में बरसात खत्म होते ही यहां की धरती जीवंत हो जाती है। हर साल लाखों फ्लेमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग से रंग जाता है, इसलिए इसे 'Flamingo City' कहा जाता है। ये पक्षी यहीं घोसलें बनाते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। कच्छ के लोग इन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहते हैं। अब लाखा जी के ये बाराती कच्छ में पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक बन गए हैं।

विंड एनर्जी में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा : आज पवन-शक्ति भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है। भारत ने हाल ही में पवन-ऊर्जा यानि विंड एनर्जी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब भारत का विंड एनर्जी जनरेशन कैपेसिटी 56 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है। पिछले एक साल में ही करीब 6 गीगावॉट नई क्षमता जुड़ी है। विंड एनर्जी में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भी हमारी तरफ देख रही है।

भारत के विकास के लिए पवन ऊर्जा जरूरी : गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान देश के अनेक राज्य इस सेक्टर में अपना परचम लहरा रहे हैं। गुजरात के कच्छ, पाटन, बनासकांठा जैसे क्षेत्र जहां पहले सिर्फ रेगिस्तान नजर आता था। आज वहां बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क बन रहे हैं। इसका लाभ युवाओं को मिल रहा है, नए अवसर बन रहे हैं, नई स्किल्स विकसित हो रही हैं, रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं। साथियो, भारत के विकास के लिए सौर और पवन ऊर्जा जरूरी हैं।

यूपी-बांदा में पारा 47.4डिग्री, घरों के अंदर रहने की सलाह

बिहार के स्कूल में बच्चों को छाते बांटे; 10 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/मुंबई, एजेंसी। देश में भीषण गर्मी का असर तेज हो गया है। गर्मी बढ़ने के साथ देश में बिजली की मांग 252.07 गीगावॉट (GW) तक पहुंच गई, जो अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले मई 2024 में 250 GW का रिकॉर्ड बना था। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में हीटवेव और वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है।

उत्तर प्रदेश का बांदा शनिवार को देश में सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रयागराज में तापमान 45.5 डिग्री, वाराणसी में 45डिग्री और झांसी में 44.8डिग्री रहा। लोगों को दोपहर 12 से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।मध्य प्रदेश के इंदौर और ग्वालियर जिले में आंगनवाड़ी केंद्र और 8वीं तक के सभी स्कूल 27 से 30 अप्रैल तक बंद रहेंगे।

दिल्लीवाले ध्यान दें आईपीएल मैच के चलते सोमवार को 7 घंटे तक रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, इन रूट्स से बचें

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के तहत सोमवार को होने वाले दिल्ली कैपिटल्स बनाम रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बीच मुकाबले को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यह मैच अरुण जेटली स्टेडियम, फिरोज शाह कोटला ग्राउंड पर शाम सात बजे से खेला जाएगा। मैच के मद्देनजर आम जनता की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेडियम के आसपास कई मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, आवश्यकता के आधार पर बहादुरशाह जफर मार्ग और जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर डायवर्जन लागू किया जाएगा। दरियागंज से बहादुरशाह जफर मार्ग और गुरु नानक चौक से आसफ अली रोड तक भारी और व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। आम यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे शाम पांच बजे से रात 12 बजे के बीच इन मार्गों का उपयोग करने से बचें, क्योंकि इस दौरान स्टेडियम की ओर दर्शकों की भारी भीड़ रहेगी।द्य

कौन से मार्ग रहेंगे प्रतबंधित : प्रतिबंधित मार्गों में जेएलएन मार्ग (राजघाट से दिल्ली गेट और कमला मार्केट राउंडअबाउट तक), आसफ अली रोड (तुर्कमान गेट से दिल्ली गेट) और बहादुरशाह जफर मार्ग (दिल्ली गेट से रामचरण अग्रवाल चौक तक) शामिल हैं। इन सड़कों पर किसी भी प्रकार की पार्किंग की अनुमति नहीं होगी और उल्लंघन करने वाले वाहनों को तुरंत हटाया जाएगा। स्टेडियम में प्रवेश के लिए गेट नंबर 1 से 8 दक्षिणी दिशा में बहादुरशाह जफर मार्ग से, गेट नंबर 10 से 15 पूर्वी दिशा में जेएलएन मार्ग से और गेट नंबर 16 से 18 पश्चिमी दिशा में बहादुरशाह जफर मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा।

यहां रहेगी पार्किंग की व्यवस्था : पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। स्टेडियम के पास आम दर्शकों के लिए पार्किंग की सुविधा नहीं होगी। केवल वैध पार्किंग लेबल वाले वाहनों को ही निर्धारित पार्किंग स्थलों जैसे जेपी पार्क, विक्रम नगर पार्किंग के पास में प्रवेश मिलेगा। बिना लेबल वाले वाहनों को स्टेडियम के आसपास आने की अनुमति नहीं होगी। दर्शकों की सुविधा के लिए 'पार्क एंड राइड' सेवा उपलब्ध कराई गई है।

माता सुंदरी रोड, वेलोड्रोम रोड, शांति वन और राजघाट क्षेत्र से बसें मैच शुरू होने से दो घंटे पहले चलना शुरू करेंगी और मैच समाप्ति के एक घंटे बाद तक उपलब्ध रहेंगी। टैक्सी के लिए यहां से होगा पिकअप और ड्रॉप पाइंट वहीं ऐप-आधारित टैक्सी उपयोगकर्ताओं के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (गेट नंबर 2 के पास), राजघाट चौक और आईटीओ फ्लाईओवर के निकट निर्धारित पिक-अप और ड्रॉप पाइंट तय किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्गों के उपयोग की सलाह दी है।

भ्रष्टाचार के मामले पर डीएसजीएमसी का बड़ा एक्शन, दूसरी बार रद हुई सरना बंधुओं और जीके की सदस्यता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) की जनरल हाउस बैठक में दूसरी बार पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना, हरविंदर सिंह सरना और मनजीत सिंह जीके की सदस्यता रद करने का प्रस्ताव पारित किया गया। अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा, तीनों के ऊपर अध्यक्ष रहते हुए भ्रष्टाचार की शिकायत है। पिछले वर्ष 25 अक्टूबर को भी प्रस्ताव पारित किया गया था। श्री अकाल तख्त के निर्देश पर फिर से जनरल हाउस की बैठक बुलाई गई जिसकी सूचना सरना बंधुओं और जीके सहित सभी सदस्यों को 15 दिन पहले दे दी गई थी। लेकिन उन्होंने बैठक में शामिल होकर अपना पक्ष नहीं रखा रखा। जीके ने बैठक को अवैध बताया। शनिवार को हुई जनरल हाउस की बैठक में 50 से 38 सदस्य उपस्थित थे। उनहोंने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर उनकी सदस्यता समाप्त करने का प्रस्ताव पास किया। प्रस्ताव की प्रति अब गुरुद्वारा चुनाव निदेशक और दिल्ली सरकार को भेजी जाएगी। महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा, अध्यक्ष रहते हुए सरना बंधुओं ने गुरु के गोलक का दुरुपयोग कर कंपनियों के नाम पर और जीके ने अपने स्वजन के नाम पर चेक का भुगतान कराया था। जीके पर एफआइआर दर्ज है उन्हें बना अनुमति देश से बाहर जाने पर रोक है।उन्होंने कहा कि बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देने के लिए 11सदस्यों की समिति श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से मिलेगी। जीके ने कहा कि डीएसजीएमसी का कार्यकाल समाप्त हो गया है। वह जनरल हाउस की बैठक नहीं बुला सकते हैं। डीएसजीएमसी एक्ट के अनुसार किसी निर्वाचित सदस्य की सदस्यता समाप्त नहीं की जा सकती है।

दिल्ली एचसी की केंद्र, दिल्ली सरकार और केवीएस को फटकार; स्कूल संचालन में देरी पर मांगा विस्तृत हलफनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम मामले में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) को कड़ी फटकार लगाते हुए स्कूल के संचालन में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। अदालत ने सभी संबंधित पक्षों को दो सप्ताह के भीतर शपथपत्र दाखिल कर मौजूदा स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने 21 अप्रैल 2026 को सुनवाई के दौरान कहा कि आठ अप्रैल 2024 को पारित आदेश के बावजूद दो वर्षों में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। याचिका सोशल ज्यूरिस्ट नामक सिविल राइट्स संगठन द्वारा दायर की गई थी। कोर्ट को बताया गया कि एनटीपीसी लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 तक स्कूल को फंड किया, जिसके बाद फिलहाल केवीएस अंतरिम व्यवस्था के तहत स्कूल चला रहा है। सुनवाई के दौरान केवीएस द्वारा पांच दिसंबर 2025 को शिक्षा मंत्रालय को लिखे गए पत्र को रिकार्ड पर लिया गया। इसमें बताया गया कि दिल्ली सरकार ने सिद्धांत रूप से स्कूल चलाने पर सहमति दी है, लेकिन जमीन हस्तांतरण से जुड़े मुद्दे अब भी लंबित हैं।

15 मई को होगी अलगी सुनवाई :अदालत ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल से निर्देश दिया कि भूमि एवं विकास कार्यालय और शिक्षा मंत्रालय की ओर से विस्तृत हलफनामा दाखिल किया जाए। साथ ही केवीएस, दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय से भी अलग-अलग शपथपत्र दाखिल करने को कहा गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सभी पक्ष दो सप्ताह के भीतर अपनी-अपनी रिपोर्ट दाखिल करें और अगली सुनवाई 15 मई 2026 को होगी।

हरियाणा से मणिपुर भेजी जा रही थी शराब, ट्रक समेत 20 लाख रुपये की 237 पेटी बरामद

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। आबकारी विभाग की टीम ने शनिवार रात ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क क्षेत्र में एक बड़ी शराब तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। टीम को सूचना मिली कि शारदा गोल चक्कर से रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध अशोक लीलैंड ट्रक लकड़ी के बाक्स में शराब छिपाकर ले जा रहा है। तुरंत कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिकारियों ने ट्रक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में लकड़ी के बाक्स के अंदर 237 पेटी हरियाणा मार्का शराब बरामद की गई। शराब की कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। आबकारी विभाग की टीम ने पूरे ट्रक को जब्त कर लिया। मौके पर मौजूद ट्रक चालक लाखाराम को गिरफ्तार कर लिया। वह राजस्थान के बाड़मेर जिले के ग्राम कानासर का निवासी है। पूछताछ में लाखाराम ने बताया कि वह ऑटो पार्ट्स की फर्जी बिल्टी बनाकर यह शराब हरियाणा से बिहार और बंगाल के रास्ते होते हुए मणिपुर ले जा रहा था। अधिकारी सुबोध कुमार ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार चालक लाखाराम, ट्रक मालिक और संबंधित डिस्टलरी के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम अब इस शराब तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। यह देखा जा रहा है कि शराब कहां से आई, किस डिस्टलरी से सप्लाई हुई और आगे कहां-कहां भेजी जाने वाली थी। तस्करों के अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है।

दिल्ली के द्वारका में गहराया जल संकट, 15 दिनों से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। चढ़ते पारे के साथ ही दिल्ली की सर्वाधिक सुनियोजित उपनगरी द्वारका में जल संकट गहराने लगा है। लोगों का कहना है कि गर्मी की आहट से ही जलापूर्ति में कटौती शुरू हो गई थी, लेकिन पिछले 15 दिनों से जलापूर्ति में काफी ज्यादा कटौती हुई है। नतीजा यह हुआ कि लोग भूजल का इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। जहां भूजल से काम नहीं चल पा रहा है वहां टैंकर के पानी से सीमित आवश्यकताएं पूरी की जा रही हैं। पिछली बार गर्मियों में दूषित जलापूर्ति ने हमलोगों से चैन छीन ली थी। कई लोग बीमार भी हुए थे, लेकिन इस बार पानी आ ही नहीं रहा है। जो पानी आ रहा है वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। 15 दिनों से पानी नाममात्र का आ रहा है। सुबह में किसी तरह 45 मिनट के लिए आता है, उसमें भी प्रेशर काफी कम। टंकियों तक पानी चढ़ ही नहीं पाता। हमलोग शिकायत करते करते थक गए हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ। पीपल अपार्टमेंट में पानी की किल्लत नहीं थी। सोसाइटी में रोजाना सुबह शाम जलापूर्ति होती थी। सुबह दो घंटे और शाम के दो घंटे। लेकिन पारा जैसे ही चढ़ना शुरू हुआ, दो घंटे को एक घंटा किया गया और अब आधा घंटा हो गया है।इसमें भी नाममात्र का प्रेशर रहता है। पिछले दो दिन से तो सिर्फ कहने को पानी आ रहा है, प्रेशर इतना कम है कि पूरी सोसाइटी के कुछ हिस्से तक ही पानी पहुंच रहा है। लोग सोसाइटी परिसर में बने मंदिर में जहां पानी आ रहा है, वहां से बाल्टियों में भरकर पानी लेकर जाते हैं। उपनगरी द्वारका से सटे भरत विहार कालोनी में पानी की घोर किल्लत का लोग सामना कर रहे हैं। स्थानीय निवासी मारीदास प्रधान बताते हैं कि टैंकर के लिए जब जल बोर्ड अधिकारियों को काल किया जाता है तो बस आश्वासन देते हैं, पानी नहीं। अभी जब पानी की किल्लत का ऐसा हाल है तो बाद में क्या होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। हमारे यहां पहले पानी की किल्लत नहीं थी। अब जल बोर्ड केवल इतना ही पानी दे पा रहा है कि हमारी 30 प्रतिशत जरुरतें पूरी हो रही हैं। हमलोग टैंकर खरीदकर पानी का इंतजाम करने को मजबूर हैं। निजी टैंकर पानी तो दे रहे हैं लेकिन उसका इस्तेमाल पीने के लिए नहीं किया जा सकता है। जल बोर्ड से शिकायत करने पर कहा जाता है कि हम क्या करें। जितना पानी वर्ष 2015 में द्वारका जल शोधन संयंत्र में आता था, उतना ही अभी भी आ रहा है। जबकि इन 11 वर्षों में उपनगरी की आबादी काफी बढ़ गई है।

दिल्ली में लू का येलो अलर्ट: दोपहर 11 से शाम 5 बजे तक बाहर न निकलने की सलाह, आरएमएल में हीट स्ट्रोक वार्ड तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 11 बजे से शाम पांच बजे के बीच बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस दौरान हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे अधिक रहता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) ने हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए विशेष वार्ड तैयार किया है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में अस्पताल के निदेशक डा. एल. श्याम ने बताया कि लू में बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी चाहिनी पीने की सलाहए। उन्होंने पर्याप्त पानी पीने, ढीले कपड़े पहनने, आराम करने और शरीर को ठंडा रखने की सलाह दी। साथ ही लस्सी और आम पन्ना जैसे पारंपरिक पेय पदार्थों को भी फायदेमंद बताया। विशेषज्ञों का कहना है कि सावधानी, समय पर पहचान और त्वरित इलाज ही लू से बचाव के सबसे प्रभावी उपाय हैं। आरएमएल हीट स्ट्रोक वार्ड के इंचार्ज डा. अजय चौहान ने बताया कि यह स्थिति बेहद गंभीर होती है और समय पर इलाज न मिलने पर जान जाने का खतरा काफी बढ़ जाता है। मरीजों के त्वरित उपचार के लिए वार्ड में दो बेड प्राथमिक इलाज के लिए आरक्षित रखे गए हैं।

दाऊद गैंग को लगा बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ खास गुर्गा सलीम डोला; खबरों में दावा- तुर्किये में पुलिस ने दबोचा

इस्तांबुल, एजेंसी। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने सलीम डोला की गिरफ्तारी की खबर की पुष्टि की है। डोला इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के दायरे में था। यह नोटिस भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुंबई पुलिस में दर्ज मामलों के आधार पर जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का सरगना है सलीम डोला अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का सरगना माना जाता है कि सलीम डोला भारत भर में फैले कई गुप्त अड्डों और कारखानों का इस्तेमाल करके कई देशों में फैले एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग तस्करी नेटवर्क को चला रहा था। सूत्रों के अनुसार, वह दुबई से अपने ड्रग रैकेट को नियंत्रित करता था।

ड्रग तस्करी पर बड़ा प्रहार: रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी की पुष्टि होने से पहले एक भारतीय अधिकारी ने कहा था कि अगर डोला पकड़ा जाता है,

तो उसके ड्रग तस्करी गिरोह के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने, जिन्होंने गुमनाम रहने की शर्त पर बात की, कहा, 'अगर डोला को हिरासत में लिया गया है, तो यह बहुत अच्छी खबर है और उसके तस्करी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।' 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का सालाना कारोबार सूत्रों ने बताया है कि सलीम डोला के ड्रग तस्करी नेटवर्क का सालाना कारोबार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का था। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की कुल कमाई का कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है।

माली में इस्लामी उग्रवादियों ने फैलाया आतंक, कई जगहों पर हमलों को दिया अंजाम; भारत ने जारी की एडवाइजरी

जोहानसबर्ग, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको और देश के अन्य शहरों में शनिवार को इस्लामी उग्रवादियों और अलगाववादियों ने कई स्थानों पर हमले किए। यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे बड़े हमलों में से एक था। अल-कायदा से जुड़ा एक आतंकवादी समूह, जकातत नसर अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

माली की राजधानी बमाको में स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, 'माली के काटी और अन्य हिस्सों में हालिया सुरक्षा घटनाओं और हमलों की रिपोर्टों के कारण देश में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्क रहने, अधिकतम सावधानी बरतने, घर के अंदर रहने और समय-समय पर माली के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है। '

दूतावास ने यह भी बताया कि वह माली के अधिकारियों के साथ समन्वय में उभरती स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और आवश्यकतानुसार आगे के अपडेट जारी करेगा। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपनी वेबसाइट और दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से संपर्क में रहने का आग्रह किया है।

शिकागो के अस्पताल में अंधाधुंध गोलीबारी से मचा हड़कंप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला शिकागो के एक अस्पताल में हुआ है। यहां गोलीबारी के बाद पूरे अस्पताल कैंपस को लॉकडाउन कर दिया गया है। एंडेवर हेल्थ स्वीडिश अस्पताल प्रशासन ने शनिवार को जानकारी दी कि स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद सभी मरीज और कर्मचारी सुरक्षित हैं। प्रशासन ने यह भी बताया कि दोपहर तक अस्पताल में किसी भी तरह का सक्रिय खतरा नहीं था। यह गोलीबारी सुबह करीब 11 बजे हुई। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। शिकागो पुलिस विभाग ने इस मामले में और जानकारी देने के लिए किए गए कई अनुरोधों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

ईरान के साथ युद्धविराम पर बोले ट्रंप- 'मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं है

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी है। ये दूत ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद जाने वाले थे। ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, ईरान का प्रस्ताव उम्मीद के मुताबिक नहीं था। क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मिस्र और तुर्किये के अपने समकक्षों से बीत की। आईआरएनए के अनुसार, अराघची और मिस्र के विदेश मंत्री बदर अब्देलट्टी ने युद्धविराम और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं, तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान के साथ उनकी बातचीत मुख्य रूप से ईरान और अमेरिका के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया पर केंद्रित रही। इस सिलसिले में फिदान ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से भी फोन पर बात की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से फोन पर बात की। उन्होंने इस बातचीत को सकारात्मक बताया। इस दौरान पाकिस्तानी नेता ने मध्यस्थता प्रयासों में तेहरान की निरंतर भागीदारी की तारीफ की, जिसमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची की हाल ही में संपन्न हुई यात्रा भी शामिल है। पाकिस्तानी पीएम शरीफ ने आगे ने लिखा, 'मैंने इस बात की पुष्टि की कि मित्रों और साझेदारों के समर्थन से, पाकिस्तान एक ईमानदार और निष्ठावान मध्यस्थ के रूप में प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में स्थायी शांति और दीर्घकालिक स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम खत्म करने के सवाल पर कहा कि उन्होंने अभी इस बारे में सोचा भी नहीं है।

ट्रंप ने बताया कि वह ईरान में सत्ता संभालने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ समझौता करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान के भीतर इस समय भारी कलह चल रही है। ट्रंप के अनुसार, वहां लोग नेतृत्व के लिए आपस में लड़ रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शायद वे नेता न बनने के लिए लड़ रहे हैं, क्योंकि अमेरिका ने उनके दो स्तर के नेताओं को खत्म कर दिया है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि जब भी ईरान चाहे, उन्हें फोन कर सकता है।

ट्रंप ने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द करने का किया बचाव, कहा- ईरान का प्रस्ताव काफी नही

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द करने के फैसले का बचाव किया है। ये दूत ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद जाने वाले थे। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान ने जो प्रस्ताव दिया था, वह उम्मीदों के मुताबिक नहीं था। उन्होंने साफ किया कि ईरान ने बहुत कुछ देने की बात कही, लेकिन वह पर्याप्त नहीं था। उन्होंने यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान ने समृद्ध यूरेनियम पर कम से कम 20 साल के निलंबन के अमेरिकी प्रस्ताव पर बातचीत के बदले में कुछ पेशकश की थी। ट्रंप ने पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रा रद्द करने की कई वजहें बताई। उन्होंने कहा कि 18 घंटे की लंबी यात्रा बहुत थका देने वाली और महंगी है। वह खुद को एक 'किफायती व्यक्ति' मानते हैं और फिजूलखर्ची के खिलाफ हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की तरफ से कोई बड़ा नेता बातचीत के लिए नहीं आ रहा था। वह अपने खास दूतों जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ को उन लोगों से मिलने नहीं भेज सकते जिन्हें कोई जानता तक नहीं है। उनके अनुसार, ईरान का नेतृत्व आपसी झगड़ों में फंसा हुआ है।

ट्रंप ने दावा किया कि उनके इस कड़े फैसले का तुरंत असर हुआ। जैसे ही उन्होंने यात्रा रद्द की, उसके 10 मिनट के भीतर ईरान ने एक नया और बेहतर प्रस्ताव भेज दिया। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि उनका एकमात्र मकसद यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों। उन्होंने कहा कि यह मामला बहुत सीधा है और अमेरिका इस समय मजबूत स्थिति में है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उन्होंने युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए एक ठोस योजना साझा की है। उन्होंने अमेरिका की गंभीरता पर सवाल उठाए। अराघची ने इस्लामाबाद में पाकिस्तानी नेताओं के साथ बैठक की थी और अपनी मांगों की एक आधिकारिक सूची सौंपी थी। पाकिस्तान इस पूरे मामले में मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, लेकिन ट्रंप के इस फैसले से उसकी कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। युद्धविराम को आगे बढ़ाने के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अभी इस पर विचार नहीं किया है। शांति समझौते के लिए 4 मई की समयसीमा तय है। ट्रंप ने अंत में कहा कि अगर ईरान बात करना चाहता है, तो उसे बस फोन करने की जरूरत है। अब आगे की बातचीत व्हाइट हाउस की शर्तों पर ही होगी।

जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में जल पखवाड़ा का आयोजन,छात्रों ने दिया जल संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएमस्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में भारत सरकार के जल शक्ति मिशन के अंतर्गत 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जल पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य 'जल ही जीवन है' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने बताया कि पखवाड़े के अंतर्गत विद्यार्थियों को वर्षा जल संचयन, शुद्ध पेयजल के महत्व तथा जल की प्रत्येक बूंद के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर सतीश रहाटे द्वारा विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई जिससे छात्र-छात्राओं में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई। कार्यक्रम में अकादमिक इंचार्ज रुपेश चौधरी ने शुद्ध पेयजल के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं सीसीए इंचाज आर.पी. पटेल ने गीत के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जिससे वातावरण में जागरूकता का भाव और अधिक सशक्त हुआ। छात्रा प्रियंका पटेल ने ओजस्वी भाषण प्रस्तुत कर जल की महत्ता को प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया, जबकि छात्र सुधीर सरोज ने 'मैं पानी की बूंद हूं' कविता के माध्यम से जल बचाने का प्रेरणादायक संदेश दिया। इसके साथ ही शिक्षिका पूनम मिश्रा एवं छात्र रावेंद्र कुशवाहा ने इलेक्ट्रॉनिक बैनर के माध्यम से सोशल मीडिया पर जल संरक्षण का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। पखवाड़े के दौरान निबंध, कविता, वाद-विवाद, पोस्टर निर्माण, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं मॉडल निर्माण जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है जिनमें विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय कन्या शाला चुरहट में आयोजित 'अवनि नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम में भी विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्राओं ने ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता एवं नारी शक्ति विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि में प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी, अकादमिक इंचार्ज रुपेश चौधरी, आर्ट शिक्षिका माधुरी वर्मा एवं संगीत शिक्षक आर.पी. पटेल का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों में पर्यावरण एवं सामाजिक जागरूकता को नई दिशा मिली है।

कलेक्टर ने 'संकल्प कोचिंग' में विद्यार्थियों को दिया मार्गदर्शन,टाइम मैनेजमेंट और सकारात्मक सोच पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले में संचालित 'संकल्प कोचिंग' पहुंचकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रों को अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सही रणनीति के साथ अध्ययन करने की सलाह दी।

कलेक्टर मिश्रा ने विद्यार्थियों को टाइम मैनेजमेंट का महत्व समझाते हुए कहा कि सीमित समय में अधिकतम तैयारी के लिए समय का सही विभाजन बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अध्ययन, पुनरावृत्ति और टेस्ट प्रैक्टिस के लिए संतुलित समय निर्धारित करना चाहिए, जिससे परीक्षा की तैयारी अधिक प्रभावी बन सके। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक माइंडसेट बनाए रखने की सीख देते हुए कहा कि आत्मविश्वास और धैर्य ही सफलता की कुंजी हैं। कठिन परिस्थितियों में भी निराश नहीं होना चाहिए बल्कि लगातार प्रयास करते रहना ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। कलेक्टर ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मानचित्र (मैप) के व्यवस्थित उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि भूगोल एवं समसामयिक घटनाओं को समझने के लिए मानचित्र का नियमित अभ्यास अत्यंत उपयोगी है जिससे विषयों की गहरी समझ विकसित होती है और परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन संभव होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी सलाह दी कि वे अपनी पढ़ाई के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और उसी के अनुरूप नियमित अध्ययन करें। अनुशासन एवं निरंतरता को जीवन का हिस्सा बनाने पर उन्होंने विशेष बल दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कलेक्टर से विभिन्न प्रश्न पूछे जिनका उन्होंने सरल, व्यावहारिक एवं प्रेरणादायक तरीके से समाधान किया। कलेक्टर के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों को सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पूरी लगन और समर्पण के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

बैकयार्ड कुक्कुट योजना से महिलाओं को मिल रहा आत्मनिर्भरता का सहारा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकासखंड सीधी में संचालित एकीकृत कृषि क्लस्टर के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल की जा रही है मिशन द्वारा महिलाओं को बैकयार्ड कुक्कुट इकाई वितरण योजना से जोड़कर उन्हें आजीविका के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। योजना का उद्देश्य कम लागत में उन्नत तकनीक के माध्यम से कुक्कुट पालन को बढ़ावा देना अंडा एवं मांस उत्पादन में वृद्धि करना तथा परिवारों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है। साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें स्वावलंबी उद्यमी के रूप में विकसित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है। इसी क्रम में ग्राम बढ़ौरा एवं कुबरी में समूह से जुड़ी भूमिहीन, हरिजन एवं आदिवासी महिलाओं को 680 चूजों का वितरण किया गया। इस पहल से महिलाओं में उत्साह देखा जा रहा है और वे इसे आय के स्थायी स्रोत के रूप में अपना रही हैं। योजना के तहत कुल लागत 2225 रुपये निर्धारित है जिसमें 1669 रुपये अनुदान तथा 556 रुपये हितग्राही अंशदान शामिल है। प्रत्येक हितग्राही को 28 दिन के 40 उन्नत नस्ल के चूजे प्रदान किए जाते हैं। यह योजना ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही है।

सोन घड़ियाल अभ्यारण्य टीम ने रास्ते में खोदे गड्ढे: सोन नदी घाटों पर अवैध रेत उत्खनन रोकने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत सोन नदी के कोचिंटा सहित विभिन्न घाटों पर अवैध रेत उत्खनन का मामला एक बार फिर चर्चा में है। लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद, सोन घड़ियाल अभ्यारण्य की टीम ने सुबह करीब 8 बजे कार्रवाई शुरू की। टीम ने उन रास्तों पर गड्ढे खोदना शुरू किया जिनका उपयोग रेत माफिया नदी तक पहुंचने के लिए करते हैं। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य नदी तक वाहनों की पहुंच को रोकना है ताकि अवैध उत्खनन और रेत के परिवहन पर अंकुश लगाया जा सके। यह कार्य अलग-अलग घाटों पर चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है जिसका लक्ष्य अवैध रेत दोहन को पूरी तरह रोकना है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब प्रशासन ने ऐसा प्रयास किया है। गांव निवासी पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि पहले भी कई बार ऐसे गड्ढे खोदे गए हैं लेकिन रेत माफिया जेसीबी का उपयोग कर उन्हें पाट देते हैं और रात में फिर से उत्खनन शुरू कर देते हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर दीपक पटेल का भव्य सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर में मार्शल आर्ट के क्षेत्र में एक गौरवपूर्ण अवसर तब देखने को मिला जब रीवा यूनाइटेड शोतोकान कराते एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दीपक पटेल का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मार्शल आर्ट एकेडमी रीवा के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कराते खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। समारोह के दौरान उपस्थित सदस्यों ने दीपक पटेल का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर अभिनंदन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि दीपक पटेल की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है बल्कि यह रीवा जिले के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने वर्षों से कराते और मार्शल आर्ट के क्षेत्र में निरंतर योगदान दिया है जिससे जिले के अनेक खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से रमेश चौरसिया (सचिव, फुनाकोशी शोतोकान कराते), कौशलेन्द्र पाण्डेय (कोषाध्यक्ष, मार्शल आर्ट एकेडमी रीवा), डॉ. कौशलेन्द्र मणि त्रिपाठी (अध्यक्ष, कराते संघ), राहुल कुशवाहा (सहसचिव, शोतोकान रीवा), कराते कोच हासिम अंसारी, आलिम अंसारी, अंकित पटेल, संगम पटेल, अनिकेत करौसिया, राकेश विश्वकर्मा, विमला कुशवाहा, रजना कुशवाहा, निधि सिंह गौतम, कविता यादव, कोच राखी बंसल, सपना तिवारी, निधि सोंधिया एवं शिवानी भंडारी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि दीपक पटेल के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा और क्षेत्र के युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर मिलेंगे। स्वयं दीपक पटेल ने अपने संबोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे भविष्य में कराते खेल को और अधिक विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। समारोह का समापन सामूहिक बधाई एवं उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच हुआ जिसमें सभी ने एक स्वर में दीपक पटेल को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत, परिजन ने 4 घंटे तक किया चक्का जाम

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। मोरवा थाना क्षेत्र में देर रात सड़क हादसे में 24 साल के दीपक यादव की जान चली गई। दीपक दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और इन दिनों अपने दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने गांव आया हुआ था। जानकारी के मुताबिक पीपरखड़ निवासी दीपक अपने दोस्त की बाइक लेकर बैढ़न गया था। देर रात लौटते समय कांटा मोड़ के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दीपक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को एनसीएल अस्पताल की मरचुरी में रखवाया। सुबह जैसे ही दीपक की मौत की खबर घर पहुंची परिजन का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने 11 बजे कांटा मोड़ पर चक्का जाम कर दिया और इसे महज हादसा मानने से इनकार कर दिया परिजन का आरोप है कि यह दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या है सड़क पर प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। मोरवा थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह पुलिस को मोरवा एक्सप्रेसवे पर लाश पड़े होने की सूचना मिली थी पुलिस मौके पर पहुंची थी और लाश को उठाकर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस हर तरह से जांच कर रही है कि यह कोई एक्सीडेंट है या कुछ और पीएम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा। परिजन के जो भी आरोप हैं उनकी जांच की जाएगी।

जिला जेल सीधी में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन, एक प्रकरण का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला जेल सीधी में विशेष जेल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। इस लोक अदालत का उद्देश्य बंदियों से संबंधित न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक एवं प्ली बारगेनिंग योग्य मामलों का त्वरित निराकरण करना रहा। लोक अदालत का शुभारंभ मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं न्यायमूर्तिगण सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इसके पश्चात जिला जेल सीधी में खंडपीठ का गठन कर प्रकरणों की सुनवाई प्रारंभ की गई। इस दौरान प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सोनू जैन की अध्यक्षता में खंडपीठ का गठन किया गया। लोक अदालत में कुल 3 प्रकरण प्रस्तुत किए गए जिनमें से 1 प्रकरण का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, जेल अधीक्षक रविशंकर सिंह सहित लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर सचिव द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम के साथ सभी बंदियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें आवश्यक विधिक सहायता प्रदान की गई।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तत्काल लागू करने की मांग तेज
महिलाओं ने प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड अभियान किया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल), जो वर्ष 2023 में कानून का रूप ले चुका है को तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने की मांग को लेकर अब देशभर की महिलाएं सक्रिय हो उठी हैं। महिलाओं द्वारा प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के नाम पोस्टकार्ड भेजने का अभियान शुरू किया गया है जिससे वे अपनी मांग को सरकार तक पहुंचा सकें। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव कविता पांडे, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, प्रदेश सचिव प्राची शुक्ला, किरण जी खुतेजा, शबनम बानो सहित अन्य महिला नेताओं ने आज प्रमुख डाकघर, सिरमोर चौराहा पर एकत्र होकर प्रधानमंत्री आवास, नई दिल्ली के पते पर महिला आरक्षण बिल को शीघ्र लागू करने की अपील करते हुए पोस्टकार्ड भेजे। महिला नेताओं ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित हुए काफी समय हो चुका है लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है जिससे देशभर की महिलाओं में निराशा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को उनके अधिकार और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इस कानून को शीघ्र लागू किया जाना बेहद आवश्यक है। इस अभियान के तहत, 25 अप्रैल से प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं डाकघर पहुंचकर प्रधानमंत्री जी के नाम पोस्टकार्ड भेजेंगी और लगातार निवेदन करती रहेंगी ताकि नारी शक्ति की इस महत्वपूर्ण मांग को गंभीरता से लिया जाए और महिला आरक्षण बिल को जल्द लागू किया जाए। प्रदेशभर की महिलाओं से अपील की गई है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रतिदिन हजारों की संख्या में पोस्टकार्ड भेजकर महिलाओं के सम्मान अधिकार और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाएं।

कलेक्टर ने निजी चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम संचालकों के साथ की बैठक, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टरविकास मिश्रा ने निजी प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम संचालकों के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में जिलेवासियों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि शासकीय एवं निजी क्षेत्र के समन्वय से ही स्वास्थ्य सेवाओं को वास्तविक रूप से मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि निजी चिकित्सक एवं नर्सिंग होम संचालक आमजन को इन योजनाओं के प्रति जागरूक करें और अधिक से अधिक मरीजों को इसका लाभ दिलाएं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविरों में निजी चिकित्सकों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है जिससे जरूरतमंद मरीजों को उनके क्षेत्र में ही समय पर उपचार उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी निजी चिकित्सा संस्थानों को शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार, पारदर्शिता एवं मानकों के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके अतिरिक्त उन्होंने आगामी जनगणना कार्य में भी सहयोग करने की अपील की ताकि सटीक आंकड़ों के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर योजना बनाई जा सके और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां तैयार की जा सकें। बैठक के दौरान उपस्थित चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम संचालकों ने अपने सुझाव एवं समस्याएं भी साझा कीं। कलेक्टर ने सभी के सहयोग से जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का भरोसा दिलाया।

16 साल की लड़की का अपहरण: गुजरात में होने का आशंका

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची को वापस लाने के लिए पुलिसकर्मी पर 50 हजार मांगने का आरोप लगा है। ग्राम बढऊरा की 16 वर्षीय नाबालिग बालिका के अपहरण के बाद उसका परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है। परिजनों ने बताया कि 16 अप्रैल को जब वे अपनी बेटी की शिकायत लेकर सेमरिया थाने पहुंचे तो पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज करने के बजाय गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की। 19 अप्रैल को परिवार को सूचना मिली कि उनकी बेटी गुजरात के एक शहर में है। इसके बाद जब उन्होंने पुलिस से बच्ची को वापस लाने का अनुरोध किया तो मामले की जांच कर रहे एएसआई भूपेंद्र बागड़ी पर आरोप लगे। पीड़ित माता-पिता का आरोप है कि एएसआई बागड़ी ने उनसे 50 हजार की मांग की उन्होंने कथित तौर पर कहा कि वाहन और अन्य खर्चों के बिना बच्ची को वापस लाना संभव नहीं होगा आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए यह राशि जुटाना कठिन है। हालांकि सेमरिया थाना प्रभारी केदार परोहा ने इन आरोपों को खारिज किया है उन्होंने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है और पुलिस बच्ची की तलाश में गंभीरता से जुटी है।

ईरान-अमेरिका का बदला रुख, होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी से खुला वॉर का सेकंड फ्रंट; भड़काऊ बयान बढ़ा सकते हैं तनाव

संपादकीय

अमेरिका और ईरान के बीच सीधा संघर्ष रुका है, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी से तनाव बढ़ गया है। दोनों पक्ष उकसाने वाले बयान दे रहे हैं और समुद्री आवाजाही ठप है। अमेरिका आर्थिक दबाव बना रहा है, पर ईरान पर असर सीमित है। लंबे गतिरोध से वैश्विक अर्थव्यवस्था, तेल आपूर्ति और आम लोगों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

प्रस्तुति के लिए इस्तेमाल की गई एआई तस्वीर-अमेरिका और ईरान के बीच 8 अप्रैल के बाद से कोई सीधा संघर्ष नहीं हुआ है। पिछले दिनों जब दो हफ्ते का संघर्षविराम खत्म हुआ, तो तमाम धमकियों के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप ने इसे और आगे खिसका दिया। इससे लगा कि तनाव के बावजूद दोनों पक्ष शांति चाहते हैं। हालांकि अब यह लड़ाई होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी के रूप में दूसरा रूप ले चुकी है और ट्रंप के ताजा आदेश के बाद गतिरोध और गहरा सकता है।

उकसाने वाले बयान: अमेरिकी राष्ट्रपति ने आदेश दिया है कि अगर कोई ईरानी नाव होर्मुज में बारूदी सुरंग बिछाती मिलती है, तो उसे देखते ही उड़ा दिया जाए। इससे पहले ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनके सैनिक होर्मुज के पास गुफाओं में तैयार बैठे हैं। इन बयानों से जाहिर है कि दोनों ही पक्ष एक-दूसरे को उकसा रहे हैं। लेकिन, जब हालात इतने तनावपूर्ण हों, तब ऐसे कदम गंभीर रूप ले सकते हैं।

कड़ी नाकेबंदी: होर्मुज से इस समय आवाजाही बिल्कुल ही बंद है। अमेरिकी नौसेना ने तेहरान के बंदरगाहों की घेराबंदी कर रखी है, और बदले में ईरान भी किसी जहाज को खाड़ी पार करने नहीं दे रहा। इस तरह की स्थिति तब भी नहीं बनी थी, जब जंग चल रही थी। उस दरम्यान बीच-बीच में कुछ जहाजों को होर्मुज से गुजरने की इजाजत मिल गई थी।

दबाव बेअसर: अमेरिका और ईरान एक-दूसरे के हद की परीक्षा ले रहे हैं और इसकी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि उसकी नाकेबंदी की वजह से तेहरान को हर दिन 50 करोड़ डॉलर का नुकसान हो रहा है। आर्थिक दबाव बनाकर ट्रंप अपनी शर्तों पर ईरान को बातचीत की मेज पर लाना चाहते हैं। लेकिन, बरसों के पश्चिमी प्रतिबंधों ने ईरान को इन हालात का आदि बना दिया है। ट्रंप जितना दबाव बनाएंगे, प्रतिरोध की भावना उतनी ही प्रबल होगी।

जंग का हासिलः सैन्य टकराव से दोनों पक्ष जितना हासिल कर सकते थे, कर लिया। अमेरिका ने जिन लक्ष्यों को लेकर जंग छेड़ी थी, वे अब भी दूर हैं और उसे पता है कि लड़ाई से उसे पूरा नहीं कर सकते। इसी तरह ईरान को भी अंदाजा होगा कि वह ट्रंप की जिद को एक सीमा तक ही झुका सकता है।

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी

डा. राजन तनवर

महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर अधिकतर पुरुष अप्रत्यक्ष रूप से काबिज होना चाहते हैं जो कि निंदनीय है। कई पुरुष अपने पारिवारिक संबंधों का वास्ता देकर अपनी पत्नी, माता, पुत्री, बहू तथा बेटी की शक्तियों पर काबिज होते हुए देखे जाते हैं तथा इन महिलाओं को केवल मात्र रबर स्टैंप या कठपुतली बनकर नचाना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ तथाकथित स्थानीय नेता आसपास की किसी महिला को जबरदस्ती चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश करेंगे कि 'तुम अमुक पद के लिए चुनाव लड़ो, मैं तुम्हारा सारा काम स्वयं करूंगा, केवल तुम्हें हस्ताक्षर करने हैं'...

हिमाचल प्रदेश में पंचायतों के चुनाव का बिगुल बज चुका है, केवल मात्र तारीखों की घोषणा बाकी है। सभी इच्छुक प्रतिनिधि जोड़-तोड़ की स्थानीय राजनीति में व्यस्त हैं। पंचायत चुनाव में ग्राम सभा के लगभग सभी सदस्य स्वयं को व्यस्त पाते हैं। विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाता इतनी गंभीरता नहीं दिखाते जितनी ग्राम पंचायतों के चुनाव में। आरक्षण प्रक्रिया के अनुसार रोस्टर जारी होने के बाद सभी एक दूसरे को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं तथा कमजोर प्रतिनिधि की आड़ में अधिकतर अपनी स्थानीय राजनीति चमकाना चाहते हैं जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हिमाचल प्रदेश में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित किया गया है। यह सुखद अनुभूति है कि हमारे प्रदेश की महिलाओं में राजनीतिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित होगी तथा वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगी। हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम के तहत महिलाओं के लिए 33 फीसदी से आरक्षण बढ़ाकर 50 फीसदी किया गया है। आरक्षण रोस्टर के अनुसार, 50 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, और कई जगहों पर महिलाएं 50 फीसदी से भी अधिक सीटों पर जीत दर्ज कर सकती हैं। यह आरक्षण ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के तीनों स्तरों पर लागू होगा। आरक्षण राज्य के पंचायती राज अधिनियम के तहत सुनिश्चित किया गया है। इन चुनावों में पुरुषवादी मानसिकता चरम पर रहेंगी तथा कुछ महिलाएं अपने संवैधानिक अधिकारों को दूसरों के हाथों में आसानी से दे देंगी जोकि सभी के लिए अहितकारी होगा।

महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर अधिकतर पुरुष अप्रत्यक्ष रूप से काबिज होना चाहते हैं जो कि निंदनीय है। कई पुरुष अपने पारिवारिक संबंधों का वास्ता देकर अपनी पत्नी, माता, पुत्री, बहू तथा बेटी की शक्तियों पर काबिज होते हुए देखे जाते हैं तथा इन महिलाओं को केवल मात्र रबर स्टैंप या कठपुतली बनकर नचाना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ तथाकथित स्थानीय नेता आसपास की किसी महिला को जबरदस्ती चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश करेंगे कि 'तुम अमुक पद के लिए चुनाव लड़ो, मैं तुम्हारा सारा काम स्वयं करूंगा, केवल मात्र तुम्हें हस्ताक्षर करने हैं।' कुछ लोग अपनी स्थानीय राजनीति को चमकाने के लिए महिलाओं या कमजोर प्रतिनिधि को ढाल बनाएंगे तथा जीवन भर की अपनी असफलता का बदला इनके माध्यम से लेने की कोशिश करेंगे। चुनाव मैदान में उतरे महिलाओं एवं पुरुषों को ऐसी मानसिकता को समझना होगा तथा स्वतंत्र रूप से आगे आकर बिना किसी दबाव के स्वयं को प्रस्तुत करके अपने संवैधानिक अधिकारों पर दूसरों की कुनीयत को हावी नहीं होने देना होगा। आज महिलाएं शिक्षा-दीक्षा, कार्यालय एवं समाज सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं जो कि काबिलेतारीफ है। हमारे संविधान की यही खूबसूरती है कि इसके अनुसार स्त्री पुरुष दोनों को समान राजनीतिक एवं सामाजिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। समान कार्य के लिए समान वेतन के नियमों के अनुसार महिलाएं आज शीर्षस्थ पदों पर आसीन हैं तथा अवसर मिलने पर उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में सही समय पर सही निर्णय लेकर विश्व स्तरीय साख बनाई है तथा देश को यहां तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्हें जब-जब, जहां-जहां अवसर प्राप्त हो रहे हैं वे अपनी योग्यता का लोहा मनवा रही हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव में साइलेंट वोटर क़े प्रभाव क़ी चर्चा

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही तीव्र भावनाओं,जटिल सामाजिक समीकरणों और उच्च स्तर की जनभागीदारी के लिए जानी जाती रही है,लेकिन 23 अप्रैल 2026 को हुए मतदान और 24 अप्रैल 2026 को सामने आए पहले चरण के मतदान के आंकड़ों ने इस परंपरा को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। लगभग 93 प्रतिशत औसत मतदान और कई विधानसभा क्षेत्रों में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक ऊर्जा, राजनीतिक ध्रुवीकरण और मतदाताओं की असाधारण सक्रियता का संकेतक है।इस अभूतपूर्व मतदान ने न केवल राज्य के भीतर राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है,बल्कि राष्ट्रीय स्तरपर भी चुनावी विश्लेषकों, राजनीतिक दलों और नीति निर्माताओं के बीच गहन चर्चा को जन्म दिया है।

एडवोक़ेट किशन सनमुखदास भावनानी

मैं एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले इस रिकॉर्ड मतदान के स्वरूप को समझना आवश्यक है।2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में लगभग 83.2 प्रतिशत मतदान हुआ था,जिसे उस समय भी उच्च माना गया था। इसके मुकाबले 2026 में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि केवल प्राकृतिक उतार-चढ़ाव नहीं मानी जा सकती।यह वृद्धि संकेत देती है कि इसबार क़ा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बनाए रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मतदाताओं के लिए पहचान,सुरक्षा विकास और राजनीतिक भविष्य से जुड़ा व्यापक जनमत संग्रह बन चुका है। जब मतदान प्रतिशत 90 के पार जाता है, तो आमतौर पर यह माना जाता है कि समाज के वे वर्ग भी मतदान में शामिल हुए हैं, जो सामान्यतः निष्क्रिय रहते हैं।

साथियों बात अगर हम इस बढ़ी हुई भागीदारी के पीछे कई कारक काम कर रहे हैं इसको समझने की करें तो पहला और सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक ध्रुवीकरण। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से वैचारिक और सामाजिक विभाजन तीखा हुआ है, उसने मतदाताओं को निष्क्रिय रहने की गुंजाइश नहीं छोड़ी। दूसरा कारक है महिला मतदाताओं की अभूतपूर्व भागीदारी। रिपोर्ट्स के अनुसार कई क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा,जो यह संकेत देता है कि कल्याणकारी योजनाएं, सुरक्षा का मुद्दा और सामाजिक सम्मान जैसे विषय निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। तीसरा महत्वपूर्ण तत्व है प्रशासनिक सख्ती और सुरक्षा व्यवस्था,जिसे इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने लागू किया। केंद्रीय बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और बूथ स्तर पर पारदर्शिता ने मतदाताओं में विश्वास बढ़ाया।अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस बंपर मतदान का राजनीतिक लाभ किसे मिल सकता है। पारंपरिक चुनावी विश्लेषण कहता है कि जब मतदान प्रतिशत बढ़ता है, तो यह अक्सर सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) का संकेत होता है। इसका कारण यह है कि असंतुष्ट मतदाता अधिक संख्या में मतदान के लिए बाहर निकलते हैं। यदि इस सिद्धांत को लागू किया जाए, तो विपक्षी दलों को इसका लाभ मिल सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य इतना सरल नहीं है। यहां सत्तारूढ़ दल की जमीनी पकड़, संगठनात्मक ताकत और लाभार्थी योजनाओं का प्रभाव भी सटीक रूप से अत्यंत गहरा है।

साथियों बात अगर हम इसको उदाहरण के रूप में समझने की करें तो उदाहरण के लिए, यदि ग्रामीण क्षेत्रों और महिला मतदाताओं में वृद्धि अधिक है, तो इसका लाभ सत्तारूढ़ दल को मिल सकता है,क्योंकि ये वर्ग अक्सर सरकारी योजनाओं से सीधे प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर, यदि शहरी क्षेत्रों, युवा मतदाताओं और पहली बार वोट देने वालों की भागीदारी में अधिक वृद्धि हुई है, तो यह विपक्ष के पक्ष में जा सकता है, क्योंकि ये वर्ग परिवर्तन की मांग अधिक करते हैं। इस प्रकार, केवल उच्च मतदान प्रतिशत को देखकर किसी एक पार्टी के पक्ष में निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।क्षेत्रीय विश्लेषण भी बेहद महत्वपूर्ण है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर जैसे मुस्लिम बहुल जिलों में उच्च मतदान यह संकेत दे सकता है कि अल्पसंख्यक समुदाय ने रणनीतिक रूप से मतदान किया है। यह मतदान किस दिशा में गया, यह परिणामों में स्पष्ट होगा, लेकिन यह तय है कि इन क्षेत्रों का प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक रहेगा। दूसरी ओर,दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जैसे उत्तर बंगाल के क्षेत्रों में उच्च मतदान क्षेत्रीय मुद्दों,पहचान कीराजनीति और विकास के सवालों को प्रमुखता देता है।इस चुनाव में साइलेंट वोटर का प्रभाव भी चर्चा का विषय है। ये वे मतदाता होते हैं जो सार्वजनिक रूप से अपनी राजनीतिक पसंद व्यक्त नहीं करते, लेकिन मतदान के दिन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उच्च मतदान अक्सर इस वर्ग की सक्रियता को दर्शाता है। यही कारण है कि चुनावी पंडित इस बार के परिणामों को लेकर असमंजस में हैं।

साथियों बात अगर हम अब एक और महत्वपूर्ण दावा जो सामने आ रहा है, वह यह है कि क्या इसको समझने की करें तो इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने प्रत्येक चुनाव में 10 प्रतिशत अधिक मतदान सुनिश्चित करने में सफलता प्राप्त की है। इस दावे को तथ्यों की कसौटी पर परखना आवश्यक है। चुनाव आयोग ने पिछले कुछ वर्षों में मतदाता जागरूकता अभियान, डिजिटल रजिस्ट्रेशन, बूथ सुविधाओं में सुधार और महिलाओं व दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष प्रबंध जैसे कई कदम उठाए हैं।इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव निश्चित रूप से देखा गया है, लेकिन हर चुनाव में 10 प्रतिशत की वृद्धि एक सामान्य पैटर्न नहीं है। यह वृद्धि स्थानीयराजनीतिक परिस्थितियों,मुद्दों औरप्रतिस्पर्धा की तीव्रता पर अधिक निर्भर करती है।इसी संदर्भ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने की मांग का मुद्दा भी चर्चा में है। यह मांग मुख्यतः भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में सामने आई है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन भारत रत्न जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए व्यापक, दीर्घकालिक और बहुआयामी योगदान का मूल्यांकन किया जाता है। केवल एक चुनाव में उच्च मतदान प्रतिशत को इस सम्मान का आधार बनाना संस्थागत दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। हालांकि, यह तथ्य अवश्य है कि यदि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तो उसकी सराहना की जानी चाहिए।

साथियों बात अगर हम इस पूरे परिदृश्य का अंतरराष्ट्रीय महत्व भी कम नहीं है इसको समझने की करें तो,यदि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान लगातार होने लगे,तो यह विश्व लोकतंत्र के लिए एक मिसाल बन सकता है।कई विकसित लोकतंत्रों में भी मतदान प्रतिशत 60-70 के बीच रहता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल का यह अनुभव वैश्विक स्तर पर अध्ययन का विषय बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि, यह कहना उचित होगा कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह लोकतांत्रिक भागीदारी, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक गतिशीलता का एक जीवंत प्रयोग बन चुका है। 93 प्रतिशत का आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उस ऊर्जा का प्रतीक है जो भारतीय लोकतंत्र को जीवित और सक्रिय रखती है। अब सबकी निगाहें मतगणना के दिन पर टिकी हैं, जब यह स्पष्ट होगा कि इस ऐतिहासिक मतदान ने सत्ता की दिशा किस ओर मोड़ी है।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स आज के दौर में

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं।

आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। 'मेक इन इंडिया ', 'डिजिटल इंडिया ', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी ष्टश्वक्क लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है।

रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं।

तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5त्र, 6त्र, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश 'डिजिटल ब्रिज' बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है।

शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है।

2500 करोड़ का रक्षा संयंत्र

अदानी की जैकेट फैक्ट्री शुरू : सिंधिया बोले-रोजगार और उद्योग दोनों देंगे रफ्तार, दीदियों को बनाऊंगा फैक्ट्री मालकिन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस क्षेत्र को शनिवार को बड़ी औद्योगिक सौगात मिली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जहां 2500 करोड़ के रक्षा संयंत्र की घोषणा की वहीं बदरवास में अदानी समूह की जैकेट फैक्ट्री का शुभारंभ भी किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए कहा दीदियों को अब फैक्ट्री मालकिन बनाऊंगा। कार्यक्रम में सिंधिया ने बताया कि कोलारस क्षेत्र में करीब 2500 करोड़ की लागत से रक्षा संयंत्र स्थापित किया जाएगा। यह संयंत्र न केवल क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही औद्योगिक मांग को पूरा करेगा बल्कि इसे देश के रक्षा उत्पादन के मानचित्र पर भी स्थापित करेगा। इस परियोजना के शुरू होने से स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र का समग्र विकास होगा। रक्षा संयंत्र के साथ ही बदरवास में अदानी समूह द्वारा स्थापित जैकेट फैक्ट्री का भी शुभारंभ किया गया। यह फैक्ट्री विशेष रूप से स्थानीय लोगों खासकर महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यहां आधुनिक मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां तेज होंगी। कार्यक्रम में सिंधिया ने महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएं केवल श्रमिक नहीं, बल्कि उद्योग की भागीदार बनें। उन्होंने कहा हमारी दीदियां अब फैक्ट्री में काम करने वाली नहीं बल्कि उसे चलाने वाली बनेंगी। इस बयान के जरिए उन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सरकार की मंशा स्पष्ट की। इन दोनों परियोजनाओं से क्षेत्र के हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। इससे न केवल बेरोजगारी कम होगी बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। व्यापार, परिवहन और छोटे उद्योगों को भी इससे लाभ मिलेगा कोलारस क्षेत्र लंबे समय से बड़े औद्योगिक निवेश की प्रतीक्षा कर रहा था। रक्षा संयंत्र और जैकेट फैक्ट्री की शुरुआत को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे क्षेत्र की पहचान केवल कृषि तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि यह औद्योगिक हब के रूप में भी विकसित हो सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। रक्षा संयंत्र और फैक्ट्री की घोषणा से लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इससे क्षेत्र में रोजगार बुनियादी सुविधाओं और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। सुबह 10:10 बजे कलेक्ट्रेट में दिशा बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। दोपहर में भोंती में जनसुनवाई और पिछोर में स्थानीय कार्यक्रम के बाद तहसील भवन का उद्घाटन किया जाएगा। शाम 6:30 बजे सीएम राइज स्कूल शिवपुरी में बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन होगा जिसमें शामिल हैं सुबह टूरिस्ट विलेज में नाश्ते के बाद सिंधिया जिले के मेधावी छात्रों से संवाद करेंगे।

प्रभारी कुलपति से मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार : ओवरटेक को लेकर आरोपियों ने किया विवाद

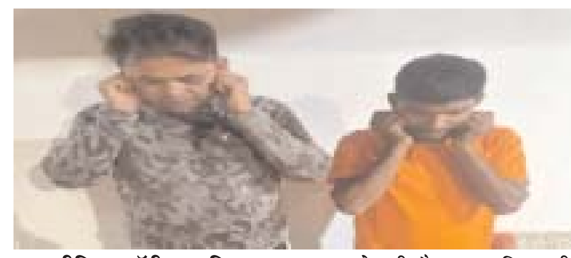

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति तरनीश गौतम से मारपीट और गाली-गलौज के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना गुरुवार सुबह स्वस्तिक अस्पताल के पास हुई थी जब कुलपति अपनी निजी कार से विश्वविद्यालय जा रहे थे। तोरवा पुलिस ने आवेदक तरनीश गौतम की रिपोर्ट पर धारा 296, 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लाखन सिंह (32 वर्ष) और जयप्रकाश राठौर (29 वर्ष) के रूप में हुई है दोनों भदौरा थाना मस्तुरी के निवासी हैं उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। घटना 23 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे की है। कुलपति तरनीश गौतम ड्राइवर न होने के कारण अपनी निजी कार से घर से विश्वविद्यालय जा रहे थे। स्वस्तिक अस्पताल के पास फार्च्यूनर वाहन क्रमांक सीजी 10 एटी 0017 के चालक और उसके साथी ने ओवरटेक करने को लेकर उनसे विवाद किया। इसके बाद उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई घटना के तुरंत बाद कुलपति ने तोरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की। आरटीओ कार्यालय से कार मालिक के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई जिससे पता चला कि वाहन स्वामी मस्तुरी, बिलासपुर का है। वाहन स्वामी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि यह घटना उसके साले द्वारा की गई थी।

40 हेक्टेयर वन भूमि अतिक्रमण मुक्त : पोहरी वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने की कार्रवाई , 10 साल से जमा रखा था कब्जा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। वनमंडल के पोहरी वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने कार्रवाई की। इस दौरान लगभग 40 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई सबरेंज भैंसरावन की बीट धतुरिया और गढ़ा में की गई।

जानकारी के अनुसार बीट धतुरिया के कक्ष क्रमांक पी.एफ. 848 और बीट गढ़ा के कक्ष क्रमांक पी.एफ. 849 में लंबे समय से अतिक्रमण था। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अतिक्रमण करीब 10 वर्ष पुराना था जिसे अब हटाया गया है। इस कार्रवाई में बब्बू गुर्जर, सुगीम गुर्जर, कन्हैया गुर्जर, दिनेश भील, संतोष भील सहित लगभग 12 लोगों द्वारा किए गए कब्जे हटाए गए। इन सभी अतिक्रमणकारियों को भारतीय वन अधिनियम 1927 के तहत पहले ही नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था। इसके बाद बेदखली आदेश जारी किए गए जिसके पालन में यह कार्रवाई की गई। यह पूरी कार्रवाई वनमंडलाधिकारी (सामान्य) शिवपुरी और उप वनमंडलाधिकारी शिवपुरी के मार्गदर्शन में तथा वन परिक्षेत्राधिकारी पोहरी के निर्देशन में हुई। कार्रवाई के दौरान वन परिक्षेत्राधिकारी श्रुति राठौर, वनपाल कन्हैया लाल राजे, नवल किशोर शर्मा, सतीश मांझी, गिर्राज शर्मा सहित अन्य वनकर्मी मौके पर मौजूद थे। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध अतिक्रमण के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

खराब क्वालिटी पर FCI ने लौटाए 10 ट्रक : 1699 मीट्रिक टन गेहूं रिजेक्ट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए गेहूं में से भारतीय खाद्य निगम (FCI) ने 1699 मीट्रिक टन माल रिजेक्ट कर दिया है। कचरा, मिट्टी और चमक विहीन होने के कारण इटारसी गोदाम के बाहर से ट्रकों को वापस लौटा दिया गया। माल जमा नहीं होने और रैक लगने में देरी के कारण किसानों का गेहूं और चने का 165 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान अटक गया है वर्तमान में वापस आए रिजेक्ट गेहूं के स्टैक खरीदी केंद्रों पर लगे हुए हैं जिन्हें प्रशासन ने साफ करने के निर्देश दिए हैं। जिले में पिछले 16 दिनों में अब तक 79,864 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। इसमें से FCI को 60 हजार मीट्रिक टन लेना है। अब तक स्नष्टद्ध गोदामों में केवल 3546 मीट्रिक टन गेहूं ही रखा गया है। 1699 मीट्रिक टन माल मापदंडों (FCI) पर खरा नहीं उतरने के कारण रिजेक्ट हुआ है। केंद्र प्रभारी और सर्वेयर की लापरवाही के कारण नर्मदापुरम अनाज मंडी स्थित रायपुर सेवा सहकारी सोसायटी के 3 और नर्मदांचल विपणन संघ सोसायटी के 7 ट्रक वापस लौटाए गए हैं। नागरिक आपूर्ति निगम (नॉन) के सुरेश सनखेरे ने बताया कि केंद्रों पर रखे इस गेहूं को साफ करने के निर्देश सभी को दिए हैं।

1500 ग्रामीण नदी का गंदा पानी पीने को मजबूर : गड्ढा खोदकर गंदा पानी निकालते हैं ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जनपद की कोटा पंचायत के छिपौल गांव में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली सामने आई है यहां के ग्रामीण पिछले कई सालों से नदी का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। गांव में एकमात्र हैंडपंप वर्षों से खराब पड़ा हुआ है लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद पीएचई विभाग और प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। गांव के लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। हालात यह हैं कि करीब 1500 की आबादी वाला यह गांव आज भी साफ पेयजल के लिए तरस रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में नदी ही जलापूर्ति का एकमात्र साधन बन चुकी है। इसी नदी के पानी को पीने के साथ-साथ नहाने और अन्य दैनिक उपयोग में लिया जा रहा है गंदा पानी पीने से गांव में बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। जब नदी सूखने लगती है तब ग्रामीणों को नदी में गड्ढे खोदकर पानी निकालना पड़ता है और उसी पानी का उपयोग करना पड़ता है।

गड्ढा खोदकर पानी पीने को मजबूर : नदी से पानी भरने पहुंची ग्रामीण गौरी ने बताया कि उन्हें करीब तीन साल हो गए इस परेशानी को झेलते हुए लेकिन अब तक किसी ने सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि गंदा पानी पीने से लोग बीमार भी पड़ते हैं लेकिन उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। महिला घीसू ने बताया कि गांव में एक हैंडपंप था जो पिछले तीन साल से खराब पड़ा है इसके कारण पूरे गांव को नदी के पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

गेहूं से भरे ट्रक में भड़की आग, चंदेरी मार्ग पर जलकर खाक हुआ वाहन, घटना के बाद चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर थाना क्षेत्र स्थित पिछोर-चंदेरी मार्ग (नया चौराहा के पास) पर शनिवार देर रात मुंगावली से डबरा जा रहे गेहूं से भरे एक ट्रक में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरा ट्रक और उसमें भरा गेहूं जलकर खाक हो गया हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। वर्तमान में पुलिस ने दो दमकलों की मदद से आग पर काबू पाकर मार्ग पर यातायात बहाल कर दिया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पिछोर थाना प्रभारी नीतू सिंह अहिरवार ने बताया कि आग लगने की यह घटना रात करीब 12:30 बजे की है। ट्रक में अचानक आग लगने से सड़क पर आवागमन बाधित हो गया था। आग तेजी से फैली जिसकी सूचना प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दो फायर ब्रिगेड बुलवाईं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई जिसके बाद सड़क पर वाहनों की आवाजाही सुचारू हो सकी। जानकारी के अनुसार जिस ट्रक में आग लगी वह डबरा निवासी कपिल भार्गव का बताया जा रहा है। ट्रक मुंगावली से गेहूं लोड कर डबरा की तरफ ही जा रहा था तभी बीच रास्ते यह हादसा हो गया। ट्रक में आग किन कारणों से लगी यह फिलहाल अज्ञात है।

GGU में राजपूतों को मुसलमान कहने पर मारपीट : लॉ स्टूडेंट्स के बीच विवाद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी (GGU) में लॉ स्टूडेंट्स के बीच मारपीट हुई है। एक स्टूडेंट ने राजपूतों को मुस्लिम कहा और भगवान राम पर आपत्तिजनक कमेंट किया। अन्य स्टूडेंट्स ने विरोध किया तो जानलेवा हमला कर दिया। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। ये पूरा विवाद प्रियांशु सिंह, कौस्तुभ मणि पांडेय, अंशुमान सिंह और तूफान चंद्रनायक के बीच हुआ है। आरोप है कि दोनों ओर से इंस्टाग्राम पर भगवान राम, परशुराम और डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इस मामले में 4 छात्रों को हॉस्टल से बाहर कर दिया गया है साथ ही यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने कोनी थाने में स्नढ्ढक्र भी कराई है। यूनिवर्सिटी के केंद्रीय सुरक्षा अनुभाग ने थाने में शिकायत दी है जिसके मुताबिक लॉ डिपार्टमेंट के कुछ छात्रों ने इंस्टाग्राम पर भगवान राम डॉ. भीमराव अंबेडकर और अन्य महापुरुषों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की उन्हें अपशब्द कहें। इससे कैंपस में कुछ अन्य स्टूडेंट्स की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार (24 अप्रैल) की रात विवादित चैट्स वायरल हुआ। इस पर आक्रोशित छात्र स्वामी विवेकानंद हॉस्टल के सामने एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति बन गई। घटना के दौरान यूनिवर्सिटी के सुरक्षा कर्मी और अधिकारी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक हालात बिगड़ चुके थे स्टूडेंट्स के बीच मारपीट हो गई इससे जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें कुछ छात्र मारपीट करते नजर आ रहे हैं वहीं एक युवक सुरक्षा गार्ड से हस्तक्षेप की गुहार लगाते दिखा। लगातार हो रही घटनाओं जैसे पहले नमाज और होली विवाद के बाद कैंपस की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इस मामले को लेकर शनिवार (25 अप्रैल) को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी का घेराव कर प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने दोषी छात्रों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है और धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है।

8 केंद्रों पर MP PSC प्री-एग्जाम : दिव्यांग परीक्षार्थी की गाड़ी के पास बायोमेट्रिक जांच

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रविवार को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MP PSC) की राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 ओएमआर पद्धति से आयोजित की जा रही है। जिले के 8 केंद्रों पर कुल 2557 परीक्षार्थी एग्जाम दे रहे हैं। परीक्षा दो पालियों (सुबह 10 से 12 बजे और दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक) में हो रही है। नकल रोकने और पारदर्शिता के लिए केंद्रों पर अभ्यर्थियों को 90 मिनट पहले बुलाया गया है। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और HHMD (हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर) से त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच के बाद ही कक्ष में प्रवेश दिया गया। सुबह 10 बजते ही केंद्र के बाहर गेट बंद कर दिए गए। सुबह 8.30 बजे से ही केंद्र के बाहर परीक्षार्थी पहचाना शुरू हुए। थ्री लेयर जांच के बाद उन्हें प्रवेश दिया गया एंट्री के अंतिम समय 9.45 बजे पहुंचे परीक्षार्थियों को दौड़ना पड़ा। दिव्यांग परीक्षार्थी माधव सिंह पटेल पिपरिया से कार से नर्मदापुरम परीक्षा केंद्र 5मिनट देरी से पहुंचे टायर पंचर हो जाने से लेट हो गए थे। उनकी गाड़ी सीधे परीक्षा कक्ष तक पहुंची गाड़ी से बाहर उतरते ही व्हील चेयर पर उनकी थ्री लेयर जांच हुई फिर प्रवेश दिया गया। दोनों सत्रों में अभ्यर्थियों की जांच (फ्रिस्किंग) की गई है। पुरुष परीक्षार्थियों की तलाशी पुरुष वीक्षक और महिला परीक्षार्थियों की तलाशी महिला वीक्षकों द्वारा कक्ष/केबिन में ली। वहीं ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को अपनी सुविधानुसार महिला या पुरुष कर्मचारी से जांच कराने का विकल्प दिया गया है। परीक्षार्थी अपने साथ केवल बॉलपेन, पारदर्शी पानी की बोतल ई-प्रवेश पत्र और वैध पहचान पत्र ही अंदर ले जा सकें हैं।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता अभियान : स्टाफ नर्सों ने नुक्कड़ नाटक और रैली से दी बचाव की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मनेन्द्रगढ़ के सिविल अस्पताल में एक जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक किया। अस्पताल परिसर में स्टाफ नर्सों और पैरामेडिकल छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। उन्होंने लोगों को मलेरिया के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही एक रैली भी निकाली गई जिसके माध्यम से आमजन को साफ-सफाई, मच्छरों से बचाव और समय पर इलाज के महत्व का संदेश दिया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी ने बताया कि शासन का लक्ष्य वर्ष 2027 तक मलेरिया संक्रमण को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक इस बीमारी का पूर्ण उन्मूलन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डॉ. तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग के निरंतर प्रयासों और उनके सकारात्मक परिणामों का भी उल्लेख किया। एमसीबी जिले में मलेरिया के मामलों में लगातार कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2025-26 में जिले में केवल 30 मलेरिया मरीज सामने आए जो स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें पानी जमा न होने दें और मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें ताकि मलेरिया जैसी बीमारियों से सुरक्षित रहा जा सके।

स्टॉप डेम के 4 गेट दोबारा लगाए : नदी का जलस्तर कम करके निकालते रेत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास तहसील में सिंध नदी के सड़ घाट पर स्टॉप डेम के गेट खोले जाने की खबर सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया और तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों गेट दोबारा लगवा दिए गए इस कार्रवाई से रेत माफियाओं की मंशा पर पानी फिर गया है। बदरवास तहसील स्थित सिंध नदी के सड़ घाट पर स्टॉप डेम के चार गेट खोले जाने के मामले में प्रशासन ने तेजी दिखाते हुए कार्रवाई की है। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर स्टॉप डेम के सभी चार गेट पुनः लगवा दिए। बताया जा रहा है कि गेट खोले जाने के पीछे अवैध रेत खनन से जुड़े माफियाओं का हाथ होने की आशंका जताई जा रही थी, जिससे नदी का जल स्तर कम कर आसानी से रेत निकाली जा सके हालांकि खबर सामने आने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए। बदरवास तहसीलदार सचिन भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को टीम भेजकर स्टॉप डेम के चारों गेट दोबारा स्थापित करा दिए गए हैं।

नेपा मिल में फिर शुरू हुआ उत्पादन

3 दिन में 310 मीट्रिक टन कागज तैयार, 71 साल हुए पूरे

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर स्थित एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड ने बिना किसी आर्थिक पैकेज के उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है।मिल ने महज तीन दिनों में 310 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन किया है। 71 साल पुरानी इस मिल का इतिहास उतार-चढ़ाव भरा रहा है। आज नेपा डे है और मिल को 71 वर्ष पूरे हो गए हैं। मिल के 71 साल के इतिहास में छह से सात साल ऐसे भी रहे जब कागज उत्पादन पूरी तरह बंद रहा। 2022 में मिल फिर से शुरू हुई, लेकिन अगले चार वर्षों में कोई खास उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी।

बार-बार बदले सीएमडी: 2024 से 2026 के बीच मिल में तीन सीएमडी बदले गए। आरके चोखानी 26 मार्च 2024 से 15 अप्रैल 2025 तक सीएमडी रहे, जिनके कार्यकाल में 7403 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन हुआ। इसके बाद अरविंद वढ़ेरा 16 अप्रैल 2025 से 23 फरवरी 2026 तक सीएमडी रहे, लेकिन उनके कार्यकाल में उत्पादन पूरी तरह बंद रहा। अब भेल भोपाल से आए नरेश सिंह ने पदभार संभालते ही अधिकारियों और कर्मचारियों में नई ऊर्जा भरी। इसके परिणामस्वरूप बंद पड़ी मिल की एक मशीन चालू कर तीन दिनों में 310 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन संभव हो पाया। अब दूसरी मशीन को भी चालू करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि मिल को अभी भी सरकार से आर्थिक पैकेज का इंतजार है। लगभग एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों को एडमिन ऑफिस से मिल में स्थानांतरित कर मशीन संचालन में लगाया गया है, जिससे उत्पादन में सुधार देखने को मिला है।

469 करोड़ से हुआ कायाकल्प: वर्ष 2022 में 469 करोड़ रुपये की लागत से मिल का कायाकल्प किया गया था। हालांकि एक साल के भीतर ही संचालन धीमा पड़ गया और अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक उत्पादन पूरी तरह बंद रहा। अब एक बार फिर उत्पादन प्रक्रिया शुरू की गई है।

अभी भी पैकेज का इंतजार: मिल को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए 150 करोड़ रुपये के पैकेज की मांग की गई थी।

40डिग्री तापमान के बीच मंदसौर में 15 मिनट बारिश

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी के बीच शनिवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। करीब 40 डिग्री तापमान और तेज धूप के बीच शाम 4:45 बजे अचानक बारिश शुरू हो गई। शहर में करीब 15 मिनट तक हुई बारिश ने मौसम का रुख बदल दिया। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। नाहरगढ़, पिपलिया मंडी, बरखेड़ा, सुठोद और मल्हारगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में भी बारिश की खबरें सामने आईं। तेज धूप के बीच हुई बारिश से राहगीर कुछ समय के लिए असहज हो गए। कई लोग बारिश में भीगते नजर आए, वहीं बाजारों और सड़कों पर अचानक हलचल बढ़ गई।

हीट वेव का अलर्ट, तापमान 40डिग्रीके आसपास: मंदसौर में इन दिनों तापमान लगातार 40 डिग्री के आसपास बना हुआ है। हीट वेव के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने लोगों को दिनभर पर्याप्त पानी पीने, शरीर को हाइड्रेट रखने और दोपहर में धूप से बचने की सलाह दी है। साथ ही हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने और बच्चों-बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है। अचानक हुई बारिश से कुछ समय के लिए राहत जरूर मिली, लेकिन गर्मी का असर अभी भी कायम है।

कटर से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सीहोर में पान की दुकान पर हुआ था विवाद, 6 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के बुधनी में 24 अप्रैल की रात बस स्टैंड के पास एक पान-बेकरी की दुकान पर धारदार कटर से हमला हुआ। इस घटना में छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रतीक पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। एसडीओपी बुधनी रवि शर्मा ने बताया कि यह घटना राकेश चौहान की पान-बेकरी की दुकान पर हुई। रेहटी निवासी अनिल चौहान (25) की रिपोर्ट पर आरोपी प्रतीक पालीवाल के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

कटर से किया हमला: प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने शराब के नशे में फरियादी और उसके साथियों से विवाद किया। इसके बाद उसने जान से मारने की नीयत से धारदार कटर से हमला कर दिया। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देश और एसडीओपी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में रेहटी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घायलों को भोपाल रेफर किया गया: घायलों में अनिल चौहान (25), राकेश चौहान (46), राजेश चौहान (50), अंकित चौहान (29), धर्मेंद्र चौहान (45) सभी रेहटी निवासी शामिल हैं। इनके अलावा डोलरिया, नर्मदापुरम निवासी वीरेंद्र राजपूत (30) भी घायल हुए हैं। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है। मामले की जांच जारी है।

लव मैरिज के बाद युवक के साथ मारपीट

युवती के परिजनों ने घर में घुसकर किया हमला, दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में लव मैरिज के बाद युवती के परिजनों ने युवक को पीट दिया। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है जहां शनिवार शाम युवक के घर में घुसकर जमकर मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवक के अनुसार, उसने और युवती ने आपसी सहमति से विवाह किया है और दोनों एक ही समाज से संबंध रखते हैं। बावजूद इसके युवती के परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे। युवक का आरोप है कि शनिवार शाम करीब 4 बजे युवती के परिवार के लोग अचानक उसके घर पहुंचे और जबरन अंदर घुस गए। इसके बाद उन्होंने युवक समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

युवती के परिजन बोले-लड़की गहने लेकर गई: युवती के परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी घर से गहने और नकदी लेकर चली गई थी। इसी बात से नाराज होकर वे युवक के घर पहुंचे थे। उनका आरोप है कि युवक ने उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर शादी कर ली।

दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज: घटना के बाद दोनों पक्षों में तनातनी की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने दोनों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

युवक पर कैंची से हमला, पेट में 7 वार

छतरपुर में पुरानी रंजीश को लेकर वारदात, हमले के बाद दोनों आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र में दुकान पर काम कर रहे युवक पर कैंची से जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना पनोठा गांव में शनिवार शाम को हुई। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

दो आरोपियों ने मिलकर दिया वारदात को अंजाम: जानकारी के अनुसार, 26 वर्षीय राजेन्द्र सेन, पिता कन्हैया लाल सेन, अपनी दुकान पर काम कर रहे थे। तभी गांव के ही रहने वाले राजेश सेन और रामगोपाल सेन वहां पहुंचे। आरोप है कि रामगोपाल ने पहले राजेन्द्र के दोनों हाथ पकड़ लिए, जिससे वह खुद को बचा नहीं सका। इसके बाद राजेश सेन ने बाल काटने वाली कैंची से युवक के पेट पर एक के बाद एक करीब सात बार वार कर दिए। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल राजेन्द्र वहीं गिर पड़ा और काफी खून बहने लगा। घटना की जानकारी लगने पर घायल की बहू ने तुरंत अपने पति रोहित को दी। सूचना मिलते ही रोहित मौके पर पहुंचे और डायल 112 को कॉल कर मदद मांगी।

पुलिस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया: सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया गया। अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर आशुतोष चतुर्वेदी ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रॉमा वार्ड में भर्ती किया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका लगातार इलाज किया जा रहा है।

दोनों आरोपी फरार: घटना और वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में इस हमले के पीछे आपसी विवाद या पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

फर्जी मार्कशीट से 10 साल नौकरी, हॉस्टल अधीक्षक दोषी

खंडवा कोर्ट से 3 साल की सजा; मार्कशीट फाड़ने पर सास को 6 महीने की सजा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। फर्जी अंकसूची के आधार पर शासकीय नौकरी हासिल कर करीब एक दशक तक सेवा करने वाले हॉस्टल अधीक्षक को अदालत ने दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की अदालत ने आरोपी मोहन सिंह काजले को 3 साल के कठोर कारावास और 27 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। साल 2021 से न्यायालय में लंबित इस मामले में शनिवार को फैसला सुनाया गया। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक अश्विनी भाटे ने पैरवी की। मामले में सहआरोपी उसकी सास भगवती बाई को भी दोषी मानते हुए 6 माह के कारावास और 2 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

फर्जी मार्कशीट के दम पर मिली नौकरी: अभियोजन के अनुसार, मोहन सिंह काजले ने स्नातक की फर्जी मार्कशीट तैयार करवाई और उसी के आधार पर खरगोन जिले में शासकीय नौकरी प्राप्त कर ली। वह लगभग 10 सालों तक इस फर्जी दस्तावेज के सहारे नौकरी करता रहा। मामले का खुलासा होने पर सिटी कोतवाली पुलिस ने दिसंबर 2020 में आरोपी के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 201 और 120-बी के तहत प्रकरण दर्ज किया था। जांच के बाद 24 फरवरी 2021 को चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी से बचने खालवा पहुंचा आरोपी को खरगोन में पकड़े जाने की आशंका थी, जिसके चलते वह खालवा आ गया। यहां आदिम जाति कल्याण विभाग ने उसे हॉस्टल अधीक्षक का प्रभार दे दिया। बाद में छैगांव माखन में पदस्थापना के दौरान शिकायत मिलने पर विभागीय जांच हुई, जिसमें आरोप सही पाए गए और उसे निलंबित कर दिया गया।

सास ने फाड़ दी थी फर्जी मार्कशीट: जांच के दौरान जब पुलिस आरोपी के घर दस्तावेजों की जांच के लिए पहुंची, तब उसकी सास भगवती बाई ने कथित रूप से फर्जी मार्कशीट को फाड़ दिया और पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली। इसी आधार पर उसे भी सहआरोपी बनाया गया। फैसले के बाद संबंधित विभाग आरोपी को सेवा से बर्खास्त करने की तैयारी में है। फिलहाल वह शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में अटैचमेंट पर पदस्थ था।

रतलाम में 44.5 डिग्री पहुंचा पारा, 8वीं तक स्कूल बंद

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले में भीषण गर्मी, लू और 44.5 डिग्री तक पहुंचे तापमान को देखते हुए कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देश पर रविवार को नया आदेश जारी किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) अशोक लोढ़ा ने प्री-प्राइमरी से लेकर 8वीं कक्षा तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 30 अप्रैल तक छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं, कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित समय पर ही संचालित होंगी। वर्तमान में जिले में तेज गर्म हवाओं का असर जारी है।

पहले 5वीं तक थी छुट्टी, अब 8वीं तक के बच्चों को राहत: बढ़ती गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने पूर्व में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 7:30 बह्यह्यह्यह्यजे से दोपहर 12 बजे तक कर दिया था। इसके बाद, दो दिन पहले स्कूलों में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 25 से 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित किया गया था। अब रविवार को जारी नए आदेश के तहत इस राहत को बढ़ाते हुए 8वीं तक के सभी स्कूलों की 30 अप्रैल तक छुट्टी कर दी गई है।

शनिवार रहा सबसे गर्म, पिछले 5 दिन के तापमान पर एक नजर: जिले में गर्म लू चलने से शनिवार को रतलाम का अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री पर जा पहुंचा है।

सागर में ऑनलाइन IPL सट्टा खिलाते दो सटोरिए गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की कोतवाली थाना पुलिस ने दो स्थानों पर दबिश देकर ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खिलाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से सट्टे की लिंक, मोबाइल और नकद रुपए जब्त किए गए है। थाने लाकर पुलिस ऑनलाइन सट्टे के संबंध में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि महावीर भोजनालय के पास एक व्यक्ति अपने मोबाइल से आईपीएल के मैच की टीमों पर हार-जीत पर रुपए लगवा रहा है। सट्टा खिलाए जाने की सूचना पर पुलिस टीम कार्रवाई के लिए रवाना हुई। टीम ने महावीर भोजनालय के पास पहुंचकर घेराबंदी की और युवक को पकड़ लिया।पूछताछ में उसने अपना नाम आयुश पिता मनोज कुमार जैन उम्र 26 साल निवासी रामपुरा होना बताया। मोबाइल फोन जब्त किया। जिसमें आरोपी आईपीएल किक्रेट मैच का खेल रॉयल चैलेंजर बैंगलुरू (आरसीबी) और गुजरात टाईटंस (जीटी) टीमों के बीच मैच चलते हुए पाया गया। मोबाइल पर आईपीएल आईडी आईडी और रेड्डी लिंक खुली मिली। जिस पर 1500 रुपए की आईपीएल आईडी शो हो रही थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी आयुश को गिरफ्तार किया और थाने लाई। जहां मामला दर्ज किया गया।

चैन्नई और मुंबई के मैच पर सट्टा लगवाते एक पकड़ाया: दूसरी कार्रवाई पुलिस ने कटरा बाजार इलाके में स्थित म्युनिसिपल स्कूल के पास की। जहां एक युवक को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम दर्शन पिता ओमशंकर केशरवानी उम्र 21 साल निवासी भीतर बाजार कटरा जवाहरगंज वार्ड होना बताया। मोबाइल, सट्टा बुकिंग के रुपयों के बारे में पूछताछ की गई। आरोपी के मोबाइल पर आईपीएल किक्रेट मैच का खेल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई (एमआई) टीमों के बीच चलता मिला। मोबाइल पर सट्टे की आईडी और लिंक मिली। जिस पर 5072 रुपए की आईपीएल आईडी शो हो रही थी। मामले में पुलिस ने मोबाइल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल ने बताया कि आईपीएल सट्टा खिलाते हुए दो युवकों को पकड़ा है।

सेवानिवृत्ति के बाद भी सेवा का जज़्बा रहता है जीवित: डीजीपी कैलाश मकवाणा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस राज्य सेवा संवर्ग के सेवानिवृत्त अधिकारियों के संगठन द्वारा 41वां वरिष्ठ सदस्य एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह नर्मदापुरम रोड स्थित वृंदावन गार्डन में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश मकवाणा (पुलिस महानिदेशक) रहे। अपने संबोधन में डीजीपी मकवाणा ने कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद भी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समाज सेवा का भाव समाप्त नहीं होता, बल्कि जीवनभर मार्गदर्शक बना रहता है। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों को विभाग की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि उनके अनुभव और जीवन मूल्यों से नई पीढ़ी निरंतर प्रेरित हो रही है।

डीजीपी ने बताया कि विभाग सेवानिवृत्त अधिकारियों के अनुभवों का संस्थागत उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रहा है। पेंशनर्स के साथ नियमित संवाद, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण और बेहतर समन्वय के लिए समर्पित हेल्प सिस्टम विकसित किया जा रहा है। साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्हें पुनः रोजगार, सुरक्षा सेवाओं और परामर्श भूमिकाओं से जोड़ने की पहल भी की जा रही है। उन्होंने पेंशनर्स के लिए बैंकिंग सुविधाओं, दुर्घटना सहायता और स्वास्थ्य योजनाओं को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया, ताकि समय पर सहायता उपलब्ध हो सके। पुलिस वेलफेयर को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, छात्रवृत्ति और आकस्मिक सहायता जैसी योजनाओं से पुलिस परिवारों को निरंतर सहयोग दिया जा रहा है।

डीजीपी मकवाणा ने विभाग में डेटा आधारित निर्णय प्रणाली को मजबूत करने के लिए eHRMS और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट कार्यों के लिए त्वरित पुरस्कार प्रणाली लागू की गई है। आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए 'Training of Trainers' मॉडल के तहत पुलिस बल को आधुनिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आपातकालीन सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि डायल-112 प्रणाली को अत्याधुनिक तकनीक से सशक्त किया गया है, जिससे आम नागरिकों को त्वरित सहायता मिल रही है। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती के मद्देनजर ई-एफआईआर व्यवस्था लागू की गई है, जिससे शिकायत दर्ज करना आसान हुआ है।

प्रीमियर लीग: आर्सेनल, लिवरपूल और स्पर्स ने जीत हासिल की, जिससे खिताब की दौड़ और भी रोमांचक हो गई

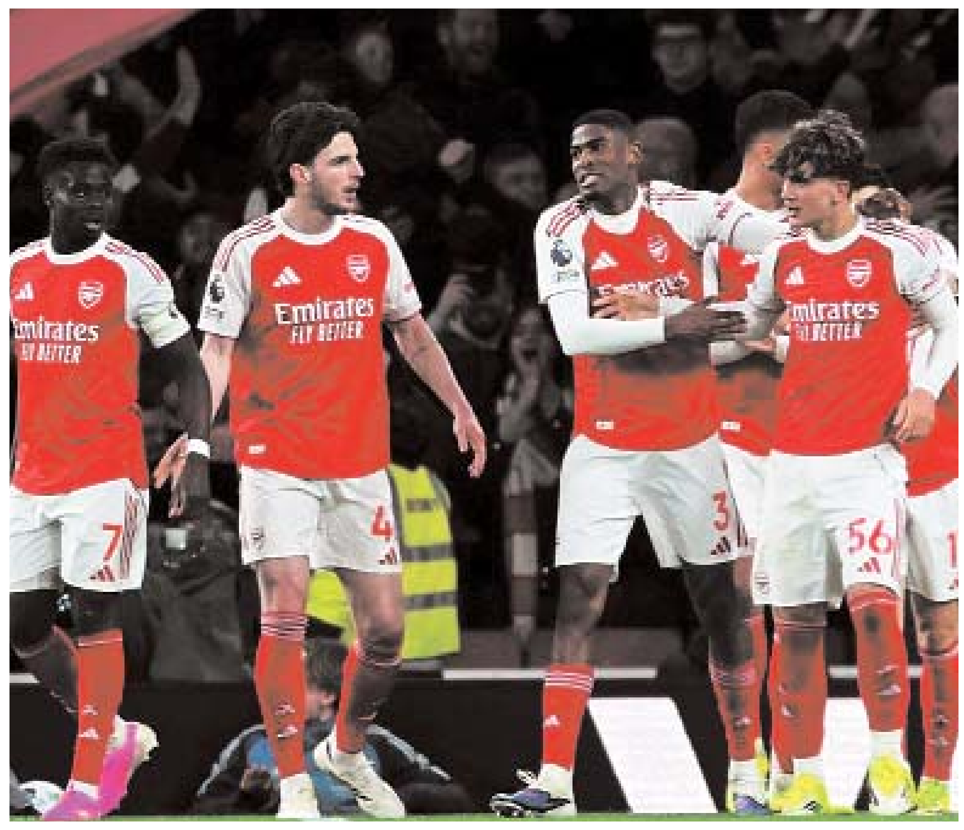

लंदन, एजेंसी। आर्सेनल, टोटेनहम हॉटस्पर और लिवरपूल ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जबकि वेस्ट हैम यूनाइटेड ने भी प्रीमियर लीग के मौजूदा मुकाबलों के नवीनतम दौर में एक महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

एमिरेट्स स्टेडियम में आर्सेनल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को 1-0 से हराकर तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी।

टॉटेनहम हॉटस्पर ने वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के खिलाफ 1-0 से करीबी जीत हासिल की, जबकि वेस्ट हैम ने प्रतिस्पर्धी मुकाबले में एवर्टन को 2-1 से हराया। वहीं, लिवरपूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रिस्टल पैलेस को 3-1 से मात दी।

आर्सेनल के पास शनिवार की जीत पर विचार करने के लिए बहुत कम समय है, क्योंकि बुधवार रात को मैड्रिड में यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ उनका मैच है।

इसके विपरीत, सिटी के पास साउथेम्प्टन के खिलाफ एफए कप सेमीफाइनल में मिली जीत और 4 मई को एवर्टन के खिलाफ होने वाले अगले प्रीमियर लीग मैच के बीच नौ दिनों का अंतराल है।

अगले शनिवार को फुलहम के खिलाफ घरेलू मैदान पर जीत हासिल करने पर आर्सेनल छह अंकों की बढ़त बना सकता है।

इन नतीजों के बाद, आर्सेनल 34 मैचों में 73 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी 33 मैचों में 70 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जिससे खिताब की दौड़ रोमांचक बनी हुई है। मैनचेस्टर यूनाइटेड 33 मैचों में 58 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

तालिका के निचले आधे हिस्से में, टॉटेनहम हॉटस्पर 34 अंकों के साथ 18वें स्थान पर है, जबकि वेस्ट हैम की जीत उन्हें 36 अंकों के साथ 17वें स्थान पर ले आई है, जिससे रेलीगेशन की लड़ाई और भी तीव्र हो गई है। लिवरपूल की जीत ने उन्हें 58 अंक दिला दिए हैं, जिससे शीर्ष चार में जगह बनाने की उनकी दावेदारी मजबूत हो गई है।

इस बीच, नवीनतम रैंकिंग में न्यूकैसल यूनाइटेड, वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स, एवर्टन और क्रिस्टल पैलेस क्रमशः 14वें, 20वें, 11वें और 13वें स्थान पर हैं।

जैसे-जैसे सीज़न अपने निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है, शीर्ष टीमों के बीच का मामूली अंतर खिताब की दौड़ को जीवंत बनाए हुए है, जबकि यूरोपीय स्थानों के लिए संघर्ष और निचले पायदान पर बने रहने की होड़ प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना रही है।

बैडमिंटन में हुआ बड़ा बदलाव, अब 15म3 स्कोरिंग सिस्टम से होंगे मैच; जानें कब से लागू होगा नया प्रारूप

दिल्ली, एजेंसी। बैडमिंटन मैच अब 21म3 नहीं, बल्कि 15म3 स्कोरिंग सिस्टम से खेले जाएंगे। मैच अब 21-21 के तीन गेम की जगह 15-15 के तीन गेम खेले जाएंगे। इस नए स्कोरिंग सिस्टम पर शनिवार को डेनमार्क के होर्सेन्स में बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भारी बहुमत से मुहर लगा दी गई। बैठक में पेश प्रस्ताव को मतदान में 198-43 के अंतर से पारित किया गया है। नया सिस्टम चार जनवरी, 2027 से लागू किया जाएगा।

बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष ने किया स्वागत: बीडब्ल्यूएफ का तर्क है कि नए सिस्टम से खेल में हाई प्रेशर मूवमेंट जल्दी आएंगे और रोमांचकता बढ़ जाएगी। बैडमिंटन में 21 प्वाइंट वाला मौजूदा प्रारूप साल 2006 में लागू किया गया था। इस प्रारूप में मैच लगातार 45 मिनट से 100 मिनट तक खिंच रहे थे, जिससे प्रसारक नाराज थे। उनकी मांग थी कि पांचों सेगमेंट (पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित) के मुकाबले तीन घंटे के भीतर खत्म होने चाहिए। बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है।लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा, हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में भी निवेश करते रहेंगे। 3म15 स्कोरिंग प्रणाली का मकसद बैडमिंटन को और भी ज्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, बेहतर शेड्यूल, मैचों की अवधि में ज्यादा एकरूपता लाना, और खिलाड़ियों की भलाई और उबरने के लिए संभावित फायदे देना है।

41 की उम्र में भी खुद को किस तरह फिट रखते हैं रोनाल्डो? इन चीजों से करते हैं परहेज

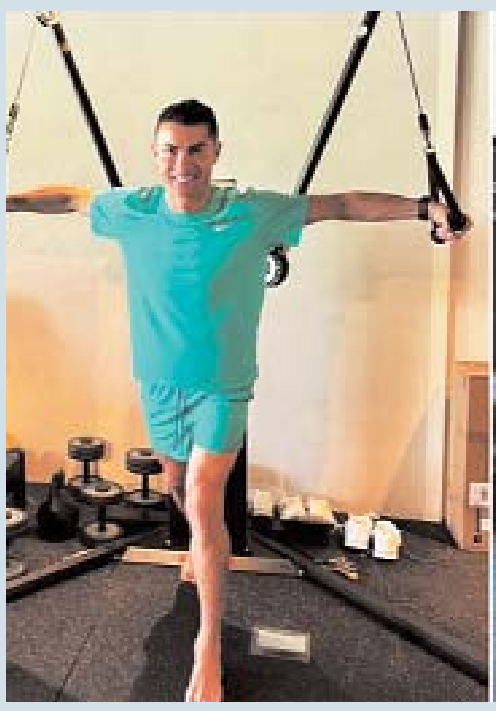

दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 41 की उम्र में अपनी फुर्ती से कई युवा खिलाड़ियों को मात दे देते हैं। वह अपने खेल का स्तर शीर्ष पर बनाए रखे हैं। इस फिटनेस का राज उनकी अनुशासित दिनचर्या और सख्त डायट में छुपा है।दूध को डायट से रखते हैं दूर रोनाल्डो अपनी डायट से दूध को पूरी तरह बाहर रखते हैं। वह प्रोटीन, सब्जियों और हैल्दी फैट्स पर जोर देते हैं। वहीं, चीनी और आटे से बनीं चीजों से परहेज करते हैं। उनके पूर्व निजी शेफ जियोर्जियो बारोने के अनुसार, रोनाल्डो के डाइट से दूध को न सिर्फ परफॉर्मेंस के कारण बल्कि मान्याताओं के चलते पूरी तरह हटा दिया गया है। वह कहते हैं, इंसान ही है जो दूसरे जानवरों का दूध पीता है। कोई भी अन्य जानवर तीन महीने के बाद दूध नहीं पीता। यह प्रकृति में कहीं नहीं पाया जाता। लेकिन इंसान 30, 40, 50 और 60 साल की उम्र तक दूध पीते रहते हैं और मेरे विचार में यह गलत है। रोनाल्डो थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाते हैं, लेकिन जोर हमेशा हेल्दी चीजों पर रहता है।रोनाल्डो की डायट

नाश्ते में : एवाकाडो, कॉफी, अंडे, हैम और फल।

लंच में: चिकन, मछली,

ऑलिव्स, सलाद (वह सब्जियों से कार्बोहाइड्रेट्ज लेते हैं)।

डिनर में : मछली या मीट और

हरी सब्जियां (आटे से बनी चीजें, पास्ता, ब्रेड उनकी डायट का हिस्सा नहीं)।

नींद और बर्फीले पानी से नहाने को प्राथमिकता

दूध को प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन्स से भरपूर सुपर ड्रिंक माना जाता है, फिर भी रोनाल्डो ने इसे पूरी तरह अपने जीवनशैली से बाहर रखा है। इससे उनके शरीर में फैट का स्तर 10 प्रतिशत से नीचे बना रहता है और वह फिट रहते हैं। उनका रूटीन सिर्फ खाने तक सीमित नहीं, वह रिकवरी के तरीकों जैसे नींद और बर्फ के पानी से नहाने को भी प्राथमिकता देते हैं।

Uber Cup: भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन पर हासिल की जीत, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जगी

दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

सिंधू को दिया आराम:उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू को एकल में आराम दिया था जिससे 2026 थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरे एकल में मौका मिला और इस युवा खिलाड़ी ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

भारत को एकमात्र हार महिला युगल के पहले मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी को बुहरोवा और कांटेमिर से 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिंधु और तनीशा क्रास्टो ने स्टोलियारेन्को और सोफिया लावरोवा पर 21-18, 21-15 से जीत हासिल की। भारत अब सोमवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीन से भिड़ेगा। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए उसे इस मैच में जीत हासिल करनी होगी।

टीयूसी 2026 : भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

कोपेनहेगन, एजेंसी। युवा भारतीय महिला टीम ने रविवार को डेनमार्क के होर्सेंस में ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन को 4-1 से हराकर थॉमस एंड उबर कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की।

टीम ने एकल में पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को आराम देने का विकल्प चुना और तीसरे एकल में 2026 थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को मौका दिया।

उन्नाति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 से जीत के साथ भारत के लिए कार्यवाही शुरू की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर बढ़त को दोगुना कर दिया।

इसके बाद देविका ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर परिणाम को लेकर कोई संदेह नहीं रहने दिया।

भारत को एकमात्र झटका महिला युगल के पहले मुकाबले में लगा, जहां कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी बुहरोवा और कांटेमिर के खिलाफ 11-21, 17-21 से हार गई, जिसके बाद सिंधु और तनीशा क्रास्टो ने स्टोलियारेन्को और सोफिया लावरोवा पर 21-18, 21-15 से जीत हासिल करके स्कोरलाइन पूरी की।

महिला टीम को अब सोमवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में दुर्जेय चीन का सामना करना होगा और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की किसी भी संभावना के लिए उन्हें मौजूदा चैंपियन को हराना होगा।

बैडमिंटन के नए नियम पर रार: विमल कुमार ने 3×15 स्कोरिंग सिस्टम की आलोचना की: बोले- इससे खेल कमजोर होगा

दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार बीडब्ल्यूएफ के स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव करने के फैसले से बेहद निराश हैं। उन्होंने इसे खेल की वास्तविक चुनौतियों का समाधान किए बिना खेल को कमजोर करने वाला कदम बताया।भारत के पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार बीडब्ल्यूएफ के स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव करने के फैसले से बेहद निराश हैं। उन्होंने इसे खेल की वास्तविक चुनौतियों का समाधान किए बिना खेल को कमजोर करने वाला कदम बताया।बीडब्ल्यूएफ पर साधा निशाना

विमल कुमार ने कहा, बीडब्ल्यूएफ के स्कोरिंग सिस्टम में बदलाव करने के फैसले से बहुत निराश हूं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि काउंसिल मेंबर्स से इसे जबरदस्त समर्थन मिला है। मौजूदा फॉर्मेट ने सभी खेलने के स्टाइल में, खासकर मेन इवेंट्स–पुरुष और महिला एकल में एक जैसा मौका सुनिश्चित किया। स्किल, लचीलापन, फिटनेस और मेंटल स्ट्रेंथ हमेशा हमारे खेल की खासियत रही है। अवधि को असरदार तरीके से कम करके बीडब्ल्यूएफ इन इवेंट्स को कमजोर करने का जोखिम उठा रहा है।उन्होंने कहा, यह कहना कि इससे शुरुआती उत्साह पैदा होगा छोटी सोच वाला लगता है। बैडमिंटन में एक्साइटमेंट की कभी कमी नहीं रही। इस खेल ने लगातार इंटेंसिटी है, जिसकी बराबरी बहुत कम खेल कर सकते हैं। अगर बदलाव जरूरी था, तो एकल की इंटीग्रिटी को बनाए रखते हुए, इसे चुनिंदा डबल्स फॉर्मेट में क्यों नहीं लागू किया गया? यह ज्यादा संतुलित तरीका होता।

अगले साल लागू होगा नया स्कोरिंग सिस्टम

स्कोरिंग सिस्टम के अलावा, कुमार ने इस खेल में कुछ और गहरी दिक्कतों पर भी जोर दिया, जिसमें वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए पुरस्कार राशि की कमी, एकल में सीमित इनाम और अंपायरिंग के फैसलों के लिए रिव्यू सिस्टम का न होना शामिल है। बीडब्ल्यूएफ ने गेम स्कोर करने के तरीके में एक बड़े बदलाव को मंजूरी दी। जनवरी 2027 से अपने सदस्य एसोसिएशन से काफी सपोर्ट मिलने के बाद एक नया 3×15-अंक सिस्टम इस्तेमाल किया जाएगा।

खेलों में समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ तैयार: अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों का दो दिवसीय चिंतन शिविर आज श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (Sher-i-Kashmir International Conference Centre) में प्रारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

श्रीनगर में खेल चिंतन शिविर में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री: छत्तीसगढ़ की ओर से उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार इस चिंतन शिविर में भागीदारी कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ खेलों के क्षेत्र में समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ पूरे देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगा। श्री साव ने बताया कि आज शिविर के पहले दिन केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ देश में खेलों को नई दिशा देने पर मंथन किया गया। यह पहल न केवल नीतियों को मजबूत करेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को आगे लाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने केंद्र सरकार और राज्य सरकारें एकजुट होकर कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ के हर गांव और हर शहर से नए खिलाड़ी उभरें और देश-विदेश के खेल मंचों पर अपना परचम लहराएं, यह हमारा लक्ष्य है।

26 अप्रैल तक चलने वाला यह शिविर देश में खेलों के समग्र विकास, नीति सुधार, वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य को हासिल करने और भारत को खेल शक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा लगातार दूसरे वर्ष इस चिंतन शिविर का आयोजन किया गया है। चिंतन शिविर के पहले दिन के प्रमुख सत्रों में 'मेडल स्ट्रेटजी - खेलो इंडिया' पर गहन मंथन किया गया। विभिन्न राज्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर खेल प्रशिक्षकों के पोटेंशियल को विकसित करने पर सर्वसम्मति बनी। साथ ही वर्ष 2048 तक भारत को ओलंपिक पदक तालिका में शीर्ष 5 देशों में शामिल करने के रोडमैप पर व्यापक चर्चा हुई। इसमें स्पोर्ट्स साइंस के विस्तार एवं उसके प्रभावी उपयोग को खेल विकास का महत्वपूर्ण आधार माना गया। खेल मंत्रालय द्वारा इस पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

द्वितीय सत्र 'खेलो भारत नीति - केंद्र एवं राज्य समन्वय को सुदृढ़ करना' विषय पर आयोजित हुआ। इस सत्र में विभिन्न राज्यों के बेस्ट प्रेक्टिसेस को साझा किया गया। खिलाड़ियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के प्रभावी उपयोग, प्रतिभा पहचान (Talent Identification) तथा खेल अकादमियों के मानकीकरण पर विशेष बल दिया गया। सत्र के दौरान विद्यालय स्तर पर खेलों को सशक्त बनाने के लिए शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से जोड़ने, खेल शिक्षकों की भर्ती एवं उन्हें उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने पर सहमति बनी। साथ ही खिलाड़ियों का समग्र डॉटा-बेस तैयार करने पर राज्यों एवं केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि प्रतिभाओं की सही पहचान सुनिश्चित हो सके। इस सत्र में यह भी रेखांकित किया गया कि खिलाड़ियों को केवल नौकरी प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ समर्पित होकर खेलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अधिक अवसर, सम्मान एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं। साथ ही इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसी व्यवस्था (मॉडल) विकसित की जाए, जिससे वे नौकरी प्राप्त करने के बाद भी खेल जारी रखें और अपने खेल करियर को बीच में न छोड़ें। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति विकसित करने, जमीनी स्तर पर सुविधाओं के विस्तार तथा बच्चों को अधिक समय खेल गतिविधियों में देने पर भी विशेष जोर दिया गया। साथ ही खेल अधोसंरचना के निर्माण में विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई। तीसरे सत्र में डोपिंग एवं खेल नैतिकता पर गंभीर चर्चा हुई। खेलों में प्रतिबंधित दवाईयों के उपयोग पर कड़े नियम बनाने तथा डोपिंग को अपराध की श्रेणी में लाने के विषय पर केंद्र सरकार एवं खेल मंत्रालय की सख्त नीति को दोहराया गया। इस सत्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता श्री अभिनव बिंद्रा ने खेलों में सुरक्षित एवं पेशेवर वातावरण सुनिश्चित करने तथा खिलाड़ियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से सेफ गॉर्डिंग ऑफिसर्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री की तत्परता से मिनटों में हरकत में आया प्रशासन: जरूरतमंद तक पहुँची राहत

संवेदनशील नेतृत्व का प्रभाव: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर वृद्ध हितग्राही को मिली तत्काल राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संवेदनशील, सजग और जनकेंद्रित नेतृत्व का एक और सशक्त उदाहरण सामने आया है, जहाँ एक वृद्ध हितग्राही की समस्या पर त्वरित संज्ञान लेते हुए शासन ने तुरंत राहत सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश पर गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पथर्री निवासी श्री भीखलु राम ध्रुव को जिला प्रशासन की सक्रियता से बड़ी राहत मिली है।

मीडिया के माध्यम से प्रसारित एक खबर में यह जानकारी सामने आई थी कि श्री भीखलु राम ध्रुव लंबे समय से पेंशन और राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। इस खबर को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बिना विलंब किए तत्काल संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि संबंधित हितग्राही को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलते ही प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई शुरू की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर श्री बीएस उइके ने स्वयं मामले की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जांच में यह तथ्य सामने आया कि श्री भीखलु राम ध्रुव का ई-केवाईसी किसी कारणवश लंबित था, जिसके कारण उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। प्रशासन द्वारा तत्काल ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई, जिससे उन्हें पुनः शासकीय योजनाओं का लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। प्रशासन की तत्परता का परिणाम यह रहा कि श्री भीखलु राम ध्रुव को तीन माह की लंबित वृद्धावस्था पेंशन एकमुश्त प्रदान की गई।

वहीं खाद्य विभाग द्वारा भी संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके घर पहुंचकर 01 क्विंटल चावल उपलब्ध कराया गया है। अब उन्हें नियमित रूप से उचित मूल्य की दुकान से राशन मिलना सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के इस मानवीय और तत्पर हस्तक्षेप से राहत प्राप्त करने पर श्री भीखलु राम ध्रुव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पेंशन और राशन मिल जाने से मेरे जीवन में बड़ी राहत आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की यह संवेदनशीलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। अब मुझे भरोसा है कि सरकार हमारी चिंता करती है।

उल्लखेनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रत्येक जरूरतमंद तक उनका लाभ समय पर पहुंचे, इसके लिए निरंतर सजग और प्रतिबद्ध है।

सुशासन की नई मिसाल : नारायणपुर के सबसे सुदूर 'लंका' गांव तक पहुंचा प्रशासन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में नारायणपुर जिला में विकास और सुशासन की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जिले के ओरछा विकासखंड के सुदूर और दुर्गम छोर पर स्थित लंका गांव में दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर प्रशासन ने यह सिद्ध कर दिया कि विकास की किरणें अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। जिला मुख्यालय से लगभग 130 किलोमीटर दूर और इन्द्रावती नदी के किनारे बसा लंका गांव, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था, वहां आजादी के बाद पहली बार जिला स्तरीय प्रशासनिक शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की टीम ने नदी-नालों और पहाड़ों के कठिन रास्तों को पार कर ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को न केवल सुना, बल्कि मौके पर ही उनका समाधान भी किया। इस शिविर में सबसे बड़ा आकर्षण 'सुशासन एक्सप्रेस' रही। वाई-फाई युक्त इस मोबाइल सेवा वाहन ने ग्रामीणों की तकनीकी बाधाओं को दूर कर दिया। इस वाहन के माध्यम से तत्काल आधार कार्ड, जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार के आवश्यक दस्तावेज मौके पर ही तैयार किए गए। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की मजबूरी से मुक्ति मिली। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 17,520 आवेदनों का त्वरित निस्तारण कर रिकॉर्ड बनाया गया है। दो दिवसीय शिविर में लंका सहित आसपास के पांच गांवों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल 310 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 242 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। इस शिविर में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 179, मनरेगा जॉब कार्ड के 34, राशन कार्ड के 25 और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 18 आवेदन प्रमुख रहे। शिविर में कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा, 'नियद नेल्लानार योजना के तहत आयोजित ये शिविर अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शासन की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। इससे न केवल ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है, बल्कि विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का उनका सपना भी साकार हो रहा है। आगामी 29 और 30 अप्रैल को शिविर का आयोजन आदनार में किया जाएगा। जिसमें मलमेटा, कोंजे और बोडुम के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। सुशासन का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा।

अवैध खनन गतिविधियों पर सरकार सख्त, केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता दल का निरीक्षण अभियान तेज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और इससे प्राप्त राजस्व का प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता है कि इन संसाधनों का उपयोग पारदर्शिता और नियमों के तहत हो, ताकि प्रदेश को किसी प्रकार की आर्थिक क्षति न हो। इसी उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। समय-समय पर समीक्षा कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

इसी क्रम में संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नया रायपुर के केन्द्रीय खनिज उड़नदस्ता दल और जिला स्तरीय संयुक्त जांच टीम ने संचालक खनिज के निर्देश पर 24 एवं 25 अप्रैल की रात और सुबह आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया। जिला सक्ती और जांजगीर-चांपा के विभिन्न स्वीकृत रेत खदानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान सक्ती जिले की घुरघट्टी, डोटमा, मरघट्टी, मिरौनी, सकराली, किकिरदा, देवरीमठ और करही खदानों में उत्खनन व परिवहन कार्य बंद पाया गया, जिससे नियमों के पालन की पुष्टि हुई। लेकिन जांजगीर-चांपा जिले में मध्य रात्रि के समय निरीक्षण के दौरान हसदेव नदी के पास हथनेवरा घाट क्षेत्र में अवैध रूप से मशीनों का संचालन करते हुए दो चैन माउंटेन मशीनें पकड़ी गई। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया।

इसके अतिरिक्त ग्राम नवापारा में भी दो एक्सकेवेटर मशीनें जब्त की गई, जिन्हें अग्रिम आदेश तक कोटवार की सुपुर्दगी में दिया गया है। कुल चार मशीनों की जब्ती कर प्रकरण दर्ज किया गया है। इन मामलों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि खनिज संसाधनों की लूट किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी। केन्द्रीय उड़नदस्ता और जिला टास्क फोर्स को राज्यभर में लगातार निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। आने वाले समय में ऐसे अभियान और तेज किए जाएंगे, जिससे अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

इस कार्रवाई में संयुक्त संचालक (खनि प्रशासन) श्री भूपेंद्र चंद्राकर, खनि अधिकारी हीरादास भारद्वाज सहित जिला स्तरीय टीम के अधिकारी शामिल रहे।

सेवा, समरसता और मानवता ही विकास का सच्चा मार्ग: मंत्री राजेश अग्रवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा, समरसता और मानवता ही विकास का सच्चा मार्ग-मंत्री श्री राजेश अग्रवाल प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज अम्बिकापुर स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेश एवं देश की प्रगति, उन्नति तथा लोककल्याण के लिए अरदास की। इस अवसर पर उन्होंने समाज में आपसी सद्भाव, सेवा और समरसता के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी के कल्याण की कामना की।

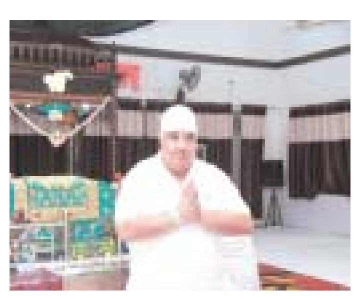

सेवा, समरसता और मानवता ही विकास का सच्चा मार्ग-मंत्री श्री राजेश अग्रवाल: मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि गुरुद्वारा जैसे पवित्र स्थल हमें सेवा, त्याग और मानवता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सौहार्द्र और परस्पर सहयोग की भावना ही समग्र विकास का आधार है। जब समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता है, तभी प्रदेश और देश प्रगति के नए आयाम स्थापित करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। हर वर्ग के उत्थान और समावेशी विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने मंत्री श्री अग्रवाल का स्वागत किया।

सपनों को मिली पक्की छत: प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली प्रदीप राम की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मलगवां खुर्द के हितग्राही प्रदीप राम इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं।

कभी कच्चे और खपरैल के मकान में असुरक्षित जीवन बिताने को मजबूर प्रदीप राम आज अपने पक्के घर में सम्मानपूर्वक रह रहे हैं। वे बताते हैं कि पहले बरसात के मौसम में छत से पानी टपकना आम बात थी, जिससे परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था और दो छोटे बच्चों के साथ कच्चे घर में रहना हमेशा चिंता का विषय बना रहता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने के बाद उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। अब उनका परिवार सुरक्षित माहौल में रह रहा है और घर में पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध हो गई हैं।

प्रदीप राम ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल ने उनके सपनों को साकार कर दिया है। उनका कहना है कि यह पक्का मकान केवल एक आवास नहीं, बल्कि उनके परिवार की खुशियों और सुरक्षित भविष्य की नींव है।

भीषण गर्मी में राशन वितरण: व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहे तापमान के बीच राशन वितरण व्यवस्थ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कहा है कि राशन दुकानों के संचालन समय में शिथिलता रखते हुए सुबह एवं शाम के समय वितरण को प्राथमिकता दिया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को तेज धूप में परेशानी न हो। साथ ही दुकानों में पेयजल, छाया एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए हैं। खाद्य विभाग द्वारा यह भी जानकारी दी गई है कि राशन वितरण पूरी तरह सुचारू रूप से जारी है और किसी प्रकार की बाधा नहीं है। कुछ स्थानों पर आई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि वे मैदानी स्तर पर सतत निगरानी बनाए रखें तथा हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। राज्य सरकार ने आम जनता से अपील की है कि वे भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

युवा फेस्ट-2026 का भव्य समापन: दायरा बैंड के सुरों पर थिरका धमतरी

दायरा बैंड के सुरों पर थिरका धमतरी

विकसित भारत के आधार स्तंभ हैं युवा : मंत्री श्री टंकराम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी के पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'युवा फेस्ट-2026' का आज अत्यंत उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल में समापन हुआ। इस महाकुंभ ने न केवल युवाओं की प्रतिभा को एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि छत्तीसगढ़ी संस्कृति और आधुनिक संगीत के अद्भुत संगम से पूरे शहर को ऊर्जा से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। अपने ओजस्वी उद्बोधन में मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि युवा फेस्ट जैसे आयोजन न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देते हैं, बल्कि उनमें नवाचार और आत्मविश्वास का संचार भी करते हैं। आज का युवा ही 'विकसित भारत-2047' का मुख्य आधार स्तंभ है। स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलकर आप सभी राष्ट्र निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करें।

उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की युवा-कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से इनका लाभ उठाकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।

'जादू बस्तर' ने बिखेरा संगीत का जादू- कार्यक्रम के अंतिम दिन 'दायरा बैंड' (जादू बस्तर) की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। बैंड ने छत्तीसगढ़ी लोकधुनों और समकालीन फ्यूजन के ऐसे सुर छेड़े कि पूरा परिसर झूम उठा। लोक और आधुनिक संगीत के इस बेजोड़ मेल ने युवा पीढ़ी के साथ-साथ सभी आयु वर्ग के दर्शकों का मन मोह लिया।

प्रशासन की सराहना और प्रतिभाओं का सम्मान- मंत्री श्री वर्मा ने सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, विशेषकर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्री रामू रोहरा ने भी युवाओं से अपनी रचनात्मकता के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील की।

समापन समारोह में सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेल और नवाचार से जुड़ी 23 विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पीजी कॉलेज ने इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रनिंग ट्रॉफी अपने नाम की।

कौशल और संवाद का मंच- कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बताया कि फेस्ट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना था, जहाँ वे स्टार्टअप, स्किल डेवलपमेंट और कला-संस्कृति के व्यावहारिक ज्ञान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन भविष्य में भी युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा।

शिक्षा विभाग और महाविद्यालय प्रशासन के सहयोग से संपन्न हुआ यह आयोजन जिले के युवाओं के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव साबित हुआ।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा